website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 196 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 25 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

मुंबई पहुंचा मानसून, झमाझम बारिश शुरू

● बिहार-छत्तीसगढ़ के कई इलाके किया कवर ● इसी हफ्ते में एमपी और यूपी में देगा दस्तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून 12 दिन की देरी के बाद मंगलवार को मुबंई पहुंच गया है। आमतौर पर मानसून 11 जून तक मुंबई पहुंच जाता है। मानसून के पहुंचते ही शहर के कई इलाकों में झमाझम बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण पश्चिम मानसून तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ इलाकों में आगे बढ़ गया है। अगले 2-3 दिनों में गुजरात और मध्य प्रदेश में पहुंच सकता है। इसके बाद 3-4 दिनों में उत्तर प्रदेश में भी एंट्री होगी। इधर, मध्य प्रदेश के 17 जिलों में सोमवार को बारिश हुई। छतरपुर में बिजली गिरने से दो लड़कियां झुलस गईं। इनमें से एक की अस्पताल में मौत हो गई। वहीं, पंजाब के अमृतसर में आंधी से पेड़ गिरने से बच्चे की जान चली गई। उत्तर प्रदेश के 6 शहरों में सोमवार दोपहर बाद बारिश हुई। बस्ती में आंधी-बारिश की वजह से पेड़-पोल उखड़ गए। एक पेड़ कार पर गिरा। सड़क पर पोल गिरने से ट्रैफिक जाम हो गया। हैदराबाद में तेज बारिश हुई। कई सड़कों और कॉलोनियों में पानी भर गया। कई इलाकों में बिजली भी गुल रही। मंगलवार सुबह 5 बजे तक केथीरेड्डीपल्ली में 12.9 सेमी, चंदानगर में 12.7 सेमी और लिंगमपल्ली में 11.7 सेमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने तेलंगाना के जगतियाल, राजन्ना सिरसिल्ला, मेडक और कामारेड्डी जिलों में मंगलवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब को जुलाई तक इंतजार

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब को जुलाई तक इंतजार करना होगा। सोमवार तक देश में सामान्य 106 मिमी की तुलना में सिर्फ 60.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है। यानी अभी तक 43 फीसदी कम बारिश हुई है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा और तेलंगाना के कई शहरों में बुधवार को पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 43.3 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं

65 हस्तियों को मिले पद्म अवॉर्ड

सिंगर अलका याग्निक, ममूटी और विजय अमृतराज को पद्म भूषण, रोहित शर्मा को पद्मश्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में दूसरे चरण के पद्म पुरस्कार दे रही हैं। इस समारोह में देश की 65 हस्तियां सम्मानित हो रही हैं। समारोह में पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज केटी थॉमस को जनसेवा और मलयालम पत्रकार पी नारायणन को साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इनके अलावा सिंगर अलका याग्निक, एक्टर ममूटी, अमेरिका में कार्यरत प्रख्यात ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. दतात्रेयुडु नोरी और भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज भी शामिल रहे। राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 56 पद्मश्री अवॉर्ड दिए गए। इस साल कुछ पुरस्कार संयुक्त रूप से भी दिए गए हैं। 2026 में कुल 131 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया है। इससे पहले 25 को पहले फेज में महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत, एक्टर धर्मेंद्र समेत 66 हस्तियों को सम्मानित किया गया था।

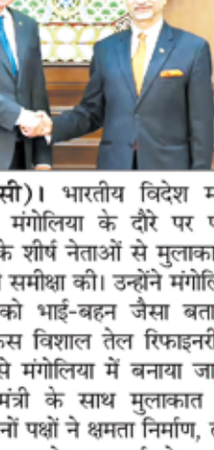

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा

● 21 जून को राज्यसभा कार्यकाल खत्म हुआ था

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को कुरियन के इस्तीफे की जानकारी दी। प्रेस रिलीज में बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम नरेंद्र मोदी की सलाह पर उनका इस्तीफा स्वीकार किया है। हालांकि, इस्तीफे की वजह नहीं बताई गई है। 65 साल के कुरियन मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री के पद पर थे। वे अगस्त 2024 से मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद थे। बतौर राज्यसभा सांसद 21 जून को ही उनका कार्यकाल खत्म हुआ था। भाजपा ने उन्हें फिर से उम्मीदवार नहीं बनाया था। कुरियन केरल में भाजपा के सीनियर नेताओं में एक हैं।

भवानीपुर सीट में सुरक्षित रखे जाएं सभी रिकार्ड

● कोलकाता हाईकोर्ट का बंगाल सरकार को सख्त आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट की मतगणना से जुड़े सभी अहम सबूत सुरक्षित रखने का आदेश दिया। अदालत ने रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोपों पर सुनवाई करते हुए कहा कि ईवीएम, वीवीपैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य संबंधित रिकॉर्ड संरक्षित रखे जाएं। जस्टिस गौरांग कांत ने मतगणना केंद्र बने शेखावाटी मेमोरियल स्कूल के अंदर और बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा, जरूरत पड़ने पर इन सभी साक्ष्यों की जांच होगी। अदालत की अनुमति के बिना इन्हें न तो मिटाया जाएगा, न बदला जाएगा, न नष्ट किया जाएगा और न ही इनके साथ किसी तरह की छेड़छाड़ की जाएगी। अदालत ने मामले में सभी संबंधित पक्षों को शामिल करने के आदेश दिए हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कांग्रेस का हमला

● जयराम रमेश बोले-ट्रंप को खुश करना बंद करें प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के भारत दौरे का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने की नीति बंद करनी चाहिए और वाशिंगटन के साथ उस व्यापार समझौते पर दबाव में आकर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए जिसका वर्तमान स्वरूप भारतीय हितों के प्रतिकूल दिखाई देता है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ जिस स्वरूप में व्यापार समझौते पर सहमति बनी है उसका जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

15 मौतों के बाद जागी योगी सरकार

● बड़े ऐक्शन की है तैयारी, ढहाई जाएगी बिल्डिंग ● यूपी के 20 शहरों के कोचिंग सेंटर्स में छापेमारी ● 33 सेंटर सील, बेटी का शव देखकर मां बेहोश

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ की कोचिंग में आग लगने की घटना में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। मंगलवार सुबह 11 बजे हादसे की जांच के लिए एसआईटी और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने बिल्डिंग की जांच की। एसआईटी टीम में आईपीएस प्रवीण कुमार और आईएएस अमृत अभिजात शामिल हैं। शवों का 7 घंटे तक पोस्टमॉर्टम चला। शव परिजन को सौंप दिए गए। पश्चिम बंगाल की अनामिका (30) का शव देखकर पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंची मां बेहोश हो गईं। जांच में पता चला है कि जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह अवैध थी। 2016 में गिराने का आदेश हुआ था। बाद में निरस्त कर दिया गया।

डिंपल बोलीं- हादसे के जिम्मेदारों पर हो सख्त कार्रवाई

लखनऊ कोचिंग कांड पर डिंपल बोलीं- हादसे के जिम्मेदारों पर हो सख्त कार्रवाई लखनऊ अग्निकांड को लेकर सांसद डिम्पल यादव ने कहा- बहुत ही दर्दनाक घटना है। इसमें बहुत सारे छात्रों ने अपनी जान गंवाई है। उनके परिवार वालों के साथ हमारी संवेदना है। उन्होंने कहा- सरकार पूरा सहयोग करे, जो बच्चे घायल हैं, उनका सही से इलाज कराए और मृतकों के परिवार वालों को मुआवजा देना चाहिए। घटना की वजह भी पता कराना चाहिए। इस घटना में जो लोग जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

यूपी के 20 शहरों में कोचिंग-होटलों में छापेमारी

लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर, आगरा, मेरठ, बरेली, प्रयागराज, नोएडा, बहराइच और वाराणसी समेत 20 शहरों में पुलिस होटल और कोचिंग संस्थानों पर छापेमारी कर रही है। अब तक कानपुर में 30, वाराणसी में 2 और नोएडा और मथुरा में 1-1 कोचिंग को सील किया गया है। इसके अलावा बरेली में 2 होटल और मथुरा में 1 होटल को भी सील किया गया है। पुलिस कोचिंग संस्थानों और होटलों में सुरक्षा मानकों की जांच कर रही है। यह देखा जा रहा है कि बिल्डिंग में फायर सेफ्टी की व्यवस्था है या नहीं, इमरजेंसी गेट मौजूद है या नहीं और आपात स्थिति से निपटने के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं या नहीं।

चीन और रूस से घिरा तो भारत को बना लिया 'तीसरा पड़ोसी'

● ड्रैगन ने डराया तो ऐक्शन में एस जयशंकर, दिया बड़ा तोहफा

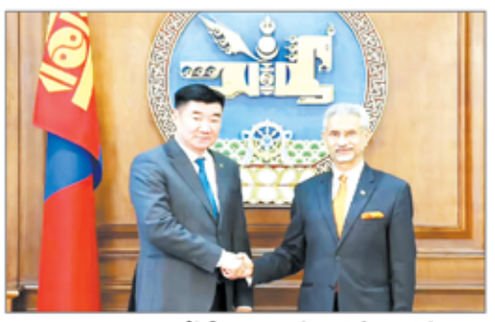

उलानबतार (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर सोमवार को मंगोलिया के दौरे पर पहुंचे हैं। जयशंकर ने मंगोलिया के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की है और द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। उन्होंने मंगोलिया और भारत के बीच रिश्ते को भाई-बहन जैसा बताया। इस बातचीत में मुख्य फोकस विशाल तेल रिफाइनरी पर था जिसे भारत की मदद से मंगोलिया में बनाया जा रहा है। मंगोलिया की विदेश मंत्री के साथ मुलाकात के बाद जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों ने क्षमता निर्माण, तकनीक, आर्थिक और व्यापारिक सहयोग, सप्लाई चेन, रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बात की है। जयशंकर ने कहा कि मंगोलिया में बनाई जा रही तेल रिफाइनरी दोनों देशों के बीच भागीदारी के तहत सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। जयशंकर ने बताया कि अंग्रेजी भाषा की पढ़ाई दोनों ही देशों के बीच बातचीत में एक प्रमुख मुद्दा रहा।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता को चीन का खुला समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के विदेश मंत्री वांग यी मंगलवार को दिल्ली में 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चीन और भारत पड़ोसी देश हैं और ग्लोबल साउथ की प्रमुख अर्थव्यवस्था हैं, इसलिए उनके बीच बेहतर सहयोग होना चाहिए। बता दें कि भारत 22-23 जून 2026 को ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक की मेजबानी कर रहा है।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर लगा था गद्दार का टैग

● स्पीकर के फैसले से बच पाई सोफिया फिरदौस की विधायकी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में पहली और एकमात्र मुस्लिम महिला विधायक सोफिया फिरदौस के राज्यसभा चुनावों में क्रॉस वोटिंग करने पर बड़ा बवाल मचा था। कांग्रेस पार्टी ने सोफिया फिरदौस समेत दूसरे विधायकों को क्रॉस वोटिंग पर पार्टी से सस्पेंड कर दिया था। चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी के 11 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। इन पद गद्दारी का आरोप लगा था। इसके बाद कांग्रेस और बीजेडी दोनों सदस्यता खत्म करने के अर्जियां स्पीकर को दी थीं। स्पीकर स्पीकर सुरमा पाढ़ी ने सोमवार को 11 विधायकों (बीजेडी के आठ और कांग्रेस के तीन) के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया।

सोफिया समेत 11 विधायकों को मिली राहत

ओडिशा विधानसभा स्पीकर के समक्ष ये याचिकाएं 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में क्रॉस-वोटिंग करने के कारण दायर की गई थीं। स्पीकर ने हर विधायक के लिए अलग-अलग आदेश जारी करते हुए कहा कि याचिकाओं में सही वेरिफिकेशन और सपोर्टिंग सबूतों की कमी थी। बीजेडी विधायकों में चक्रमणि कन्हार (बालीगुडा), नबा किशोर मल्लिक (जयदेव), सौविक बिस्वाल (चौद्वार-कटक) आदि शामिल थे।

11 साल की मासूम से रेप, फिर हत्या

● फुटपाथ से सोते वक्त उठा ले गया था टैक्सी ड्राइवर, गुब्बारे बेचती थी बच्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गुब्बारे बेचने वाली 11 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह फुटपाथ पर सो रही बच्ची का टैक्सी ड्राइवर ने किडनैप किया था। इसके बाद उसने उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगलों में फेंक दी थी। सोमवार की सुबह करीब 6 बजे परिवार ने वीडियो कॉल के जरिए महरौली थाने में बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से चार घंटे में ही बबलू नाम के टैक्सी ड्राइवर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद कर लिया है। शव पोस्टमॉर्टम के लिए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि सड़क से गुजरते समय उसने सीडीआर चौक के पास फुटपाथ पर बच्ची को सोते हुए देखा था। उसने नींद में ही बच्ची को उठाया और कार की पिछली सीट पर लिटाकर महरौली के जंगलों में ले गया था, जहां उसने वारदात को अंजाम दिया।

पीड़ित परिवार और आरोपी बिहार के रहने वाले

महरौली पुलिस थाने से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित परिवार मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। परिवार पहले किराए पर रहता था। गरीबी के चलते किराया नहीं दे पाए तो घर खाली करना पड़ा। इसके बाद परिवार फुटपाथ पर ही रहने लगा था। वहीं, एप बेस्ड कैब चलाने वाला आरोपी ड्राइवर भी बिहार का ही रहने वाला है। उसके ऊपर पहले से भी मारपीट और नशे में टैक्सी चलाने के कुछ मुकदमे दर्ज हैं।

योगी सरकार तक पहुंची राममंदिर चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट

● एसआईटी ने 20 पेज की रिपोर्ट में एफआईआर और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का भी सुझाव है। डिटेल जांच के लिए एसआईटी ने और समय मांगा है। रिपोर्ट गृह विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी गई है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजेगी। इसके बाद गृह मंत्रालय तय करेगा कि ट्रस्ट के किन सदस्यों को रखा जाए या हटाया जाए।

5 आरोपियों से 2 करोड़ रुपए की रिकवरी - राम मंदिर चोरी मामले में 5 आरोपियों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू की निशानदेही पर 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हो चुकी है। इसके अलावा, चंपत राय के करीबी टिन्नू के घर से सोना मिला था। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, चोरी 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की हो सकती है। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी के मामले में श्रीराम सेना ने राम जन्मभूमि थाना पहुंचकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश सिंह ने प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए सेवादार अनिल मिश्रा समेत अन्य संदिग्धों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और नारको टेस्ट कराए जाने की मांग की। दिनेश सिंह ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई से ही करोड़ों राम भक्तों की आस्था मंदिर के प्रति बनी रह सकेगी।

केजरीवाल बोले-

● **अब तक चंपत राय को हटाया क्यों नहीं गया**- दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा- राम मंदिर से करोड़ों का चंदा चोरी हो गया। राम भक्तों में बहुत गुस्सा है और मन में कई सवाल हैं। आज मैं सरकार से पहला सवाल पूछ रहा हूं। पूरे राम मंदिर का कंट्रोल चंपत राय के हाथ में है। सबसे ज्यादा आरोप चंपत राय पर ही लग रहे हैं। उसे अब तक हटाया क्यों नहीं गया? क्या इस बात का डर है कि अगर चंपत राय ने मुंह खोला, तो कई बड़े चेहरे बेनकाब हो जाएंगे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

तथ्यों को छिपाने से नहीं बनेगी बेहतर नीति

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सही आंकड़े और पारदर्शिता प्रभावी नीतियों की बुनियाद होते हैं। सरकारें योजनाएं बनाती हैं, उन पर करोड़ों रुपये खर्च करती हैं और उनके परिणामों का आकलन भी करती हैं। लेकिन यदि वास्तविक स्थिति को दर्शाने वाले आंकड़ों को सार्वजनिक ही न किया जाए, तो न केवल योजनाओं की सफलता पर प्रश्नचिह्न लगता है बल्कि भविष्य की नीतियों का आधार भी कमजोर हो जाता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) देश की स्वास्थ्य स्थिति का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता है। ऐसे में एनएफएचएस-6 से कई महत्वपूर्ण मानकों का गायब होना चिंता का विषय है।

वर्ष 2018 में शुरू किए गए एनीमिया-मुक्त भारत कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों में खून की कमी को कम करना था। लेकिन एनएफएचएस-6 में एनीमिया से संबंधित आंकड़ों को शामिल नहीं किया गया है। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब एनएफएचएस-5 में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में एनीमिया की दर 67.1 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जो पहले की तुलना में काफी अधिक थी। नीति आयोग भी मान चुका है कि एनीमिया बच्चों के मानसिक विकास को प्रभावित करता है और देश की अर्थव्यवस्था को 4 से 5 प्रतिशत जीडीपी तक का नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में यह जानना आवश्यक है कि पिछले वर्षों में स्थिति में सुधार हुआ या नहीं। रिपोर्ट में यह तो बताया गया है कि कितनी माताओं को आयरन-फोलिक एसिड की खुराक दी गई, लेकिन यह नहीं बताया गया कि इससे स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ा। किसी योजना की सफलता केवल वितरण के आंकड़ों से नहीं बल्कि उसके वास्तविक परिणामों से मापी जानी चाहिए। इसी प्रकार उज्ज्वला योजना के बावजूद बड़ी संख्या में परिवारों के पास रसोई गैस की सुविधा नहीं होने का तथ्य पहले सामने आया था, लेकिन इस बार उससे जुड़े आंकड़े भी रिपोर्ट में शामिल नहीं किए गए।

सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि ऐसे 43 महत्वपूर्ण पैरामीटर रिपोर्ट से बाहर कर दिए गए हैं, जो देश के नागरिकों की वास्तविक स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिति को दर्शाते हैं। हालांकि कुछ नए मानक जोड़े गए हैं, लेकिन पुराने और महत्वपूर्ण आंकड़ों की अनुपस्थिति कई सवाल खड़े करती है। तथ्यों को छिपाना या सार्वजनिक करने से बचने से समस्याएं समाप्त नहीं हो जातीं। इसके विपरीत, इससे नीति निर्माण की प्रक्रिया प्रभावित होती है और सुधार की संभावनाएं कमजोर पड़ती हैं। देश के हित में यही होगा कि सभी महत्वपूर्ण आंकड़े पारदर्शिता के साथ जनता और विशेषज्ञों के सामने रखे जाएं, ताकि वास्तविक स्थिति के आधार पर प्रभावी और परिणामकारी नीतियां बनाई जा सकें।

विकास यात्रा

रिफॉर्म एक्सप्रेस के अंतर्गत बढ़ रही न्यायिक सुगमता

अर्जुन राम मेघवाल

न्याय सदा से ही मानव सभ्यता का एक अत?यधिक महत्वपूर्ण और अभिन्न स्तंभ रहा है। हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध परंपरा तथा उसके स्थायी प्रतीक सामूहिक रूप से उन संस्थागत व्यवस्थाओं को दर्शाते हैं जिन्होंने मानव सभ्यता की विकास यात्रा को सही मार्ग पर आगे बढ़ाया, मार्गदर्शन किया और निरंतर आगे बढ़ने में सहायता की। मानव सभ्यता के अनवरत विकास के फलस्वरूप ज्ञान-विज्ञान और तकनीक से समृद्ध आधुनिक समाज में एक-दूसरे से जुड़े व्यक्तियों और समुदायों के आपसी संबंधों में भी विभिन्न विचारों और मतों के कारण परिवर्तन आया है, तथापि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी उन्नति ने देश की सीमाओं से आगे जाकर विचारों के निर्बाध आदान-प्रदान को और अधिक सुगम बनाया है। अनादि काल से, एक विचार की दूसरे विचार पर श्रेष्ठता स्थापित करने की होड़ न्यायशास्त्र के विकास की एक मजबूत नींव रही है। युगों से विचारों और मूल्यों के इस अंतर्संघर्ष के बीच न्यायिक संस्थानों ने सत्य, निष्पक्षता और विधि के शासन में लोगों के विश्वास को पुनः स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाई है। इन्होंने एक सेतु का काम किया है जो प्रत्येक संबंधित पक्ष को, यहाँ तक कि उन लोगों को भी जो स्वयं को अलग-थलग महसूस करते हैं, न्याय और सामूहिक कल्याण की एक व्यापक प्रक्रिया से जुड़ाव, विश्वास और सहभागिता का अनुभव कराता है।

इसी स्थायी संस्थागत प्रतिबद्धता के कारण एक ऐसी सशक्त व्यवस्था निर्मित होती है जो न केवल न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करती है बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को सरल और सुगम बनाने के लिए अनिवार्य है। वर्तमान संदर्भ में विकसित भारतीय न्यायशास्त्र ने स्वयं को आधुनिक चुनौतियों और उपलब्ध अवसरों के अनुरूप ढाल लिया है। हमारी संवैधानिक विरासत हमें स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं का स्वप्न साकार करते हुए एक समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में सतत मार्गदर्शन प्रदान करती है। संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय की त्रिवेणी अर्थात राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श संस्थाओं और व्यक्तियों दोनों के लिए एक नैतिक दिशासूचक के रूप में कार्य करते हैं। स्वतंत्र भारत को संविधान के रूप में एक आदर्श मार्गदर्शक प्रास हुआ जिसने हमारे राष्ट्र की प्रगति की दिशा निर्धारित की। देश की आजादी के बाद यद्यपि हमने राजनीतिक स्वतंत्रता प्रास कर ली थी, फिर भी गहरी जड़ें जमा चुकी औपनिवेशिक मानसिकता भारतीय चिंतन और मूल्यों के लिए एक बौद्धिक अवरोध बनी रही। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति, उसके बाद भारत के नागरिकों के लिए बनाए गए दंडात्मक कानून तथा विभिन्न नीतियों ने नियमों का एक जटिल जाल बुन दिया, जिसने देश की जनता की स्वतंत्रता को सीमित किया। 19वीं सदी की मानसिकता और 20वीं सदी के कानून 21वीं सदी की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकते। हमें अपनी राष्ट्रीय उपलब्धियों पर अपार गर्व है। फिर भी, जब हम मोदी सरकार की बारह वर्षों की विकास यात्रा पर नजर डालते हैं तो शासन व्यवस्था में एक स्पष्ट और सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है जिसने नागरिकों के जीवन को अनेक स्तरों पर प्रभावित किया है। वर्ष 2014 को हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा। यह वह वर्ष था जबकि देश में युवाओं की विशाल आबादी को देश के विकास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानने वाले तीव्र गति से विकसित हो रहे भारत की पूर्ण क्षमता को साकार करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों को और अधिक प्रभावी और सक्षम बनाया गया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में संपूर्ण शासन व्यवस्था ने रिफॉर्म एक्सप्रेस से प्रेरित विकास की प्रक्रिया को तेजी से अपनाते हुए सशक्तिकरण की शक्ति का परिचय दिया है। इसकी यात्रा को संक्षेप में इस प्रकार बताया जा सकता है कि यह जमीनी स्तर से 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ावा देने का प्रयास है। साथ ही, राष्ट्र प्रथम के दृष्टिकोण को शीर्ष स्तर से लागू करना भी इसका उद्देश्य है। इसी प्रकार, भारत की न्यायिक सुधारों की यात्रा भी व्यापकता, नवाचार और गहन सामाजिक एवं सभ्यतागत प्रतिबद्धता की एक प्रेरक गाथा रही है। यह एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें विधायी आधुनिकीकरण, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और डिजिटल नवाचार शामिल हैं। 'ईज ऑफ जस्टिस' हमारे लिए मात्र एक कथन नहीं है बल्कि यह एक सुधार का मंत्र है जिसमें न्याय के लिए अदालत की शरण में जाने वालों के लिए 'ईज ऑफ इंगेजमेंट', अधिवक्ताओं और न्यायाधिशों के लिए 'ईज ऑफ वर्किंग' तथा नागरिकों के लिए 'ईज ऑफ अंडरस्टैंडिंग' शामिल है। न्याय हेतु अदालतों की शरण में जाने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए छ्ढ्ढ्ञ योजना के तहत टेली-लॉ, न्याय बंधु और प्रो बोनो सेवाओं के विस्तार ने न्याय प्रासि को अत्यंत सुलभ और किफायती बना दिया है। कॉमन सर्विस सेंटर के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से संचालित टेली-लॉ कार्यक्रम के तहत ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के 112 लाख से अधिक लाभार्थियों को अदालतों में मुकदमे दायर करने से पहले मुफ्त कानूनी सलाह प्राप्त करने का लाभ मिला है। ई-फाइलिंग और ई-सेवा केंद्र की सेवाओं ने अदालत में मुकदमा दायर करने वाले व्यक्तियों और न्यायिक व्यवस्था के बीच नियमित संवाद एवं संपर्क को और अधिक सरल बनाया है। आधुनिक प्रौद्योगिकी और सामुदायिक सहभागिता के समन्वय का भारत का यह अनूठा मॉडल वैश्विक स्तर पर एक मानक के रूप में उभरा है। अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों के लिए 'ईज ऑफ वर्किंग' को डिजिटल और भौतिक अवसंरचना दोनों में व्यापक विस्तार द्वारा उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया गया है। चूंकि जिला एवं अधीनस्थ न्यायपालिका देश के अधिकांश नागरिकों के लिए न्यायिक व्यवस्था का पहला संपर्क बिंदु है, अतः इसे सुदृढ़ करना एक अनिवार्य और व्यावहारिक प्राथमिकता बनी हुई है। इसी दृष्टि से, केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत न्यायालय भवन, अधिवक्ता कक्षों, आवासीय इकाइयों तथा डिजिटल अवसंरचना के निर्माण पर विशेष बल दिया गया है।

> स्वतंत्र भारत को संविधान के रूप में एक आदर्श मार्गदर्शक प्राप्त हुआ जिसने हमारे राष्ट्र की प्रगति की दिशा निर्धारित की। देश की आजादी के बाद यद्यपि हमने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त कर ली थी, फिर भी गहरी जड़ें जमा चुकी औपनिवेशिक मानसिकता भारतीय चिंतन और मूल्यों के लिए एक बौद्धिक अवरोध बनी रही। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति, उसके बाद भारत के नागरिकों के लिए बनाए गए दंडात्मक कानून तथा विभिन्न नीतियों ने नियमों का एक जटिल जाल बुन दिया, जिसने देश की जनता की स्वतंत्रता को सीमित किया। 19वीं सदी की मानसिकता और 20वीं सदी के कानून 21वीं सदी की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकते। हमें अपनी राष्ट्रीय उपलब्धियों पर अपार गर्व है। फिर भी, जब हम मोदी सरकार की बारह वर्षों की विकास यात्रा पर नजर डालते हैं तो शासन व्यवस्था में एक स्पष्ट और सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है जिसने नागरिकों के जीवन को अनेक स्तरों पर प्रभावित किया है। वर्ष 2014 को हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा। यह वह वर्ष था जबकि देश में युवाओं की विशाल आबादी को देश के विकास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानने वाले तीव्र गति से विकसित हो रहे...

पुण्यतिथि पर विशेष

मोहित सिंगला

एक देश, एक विधान को जीवन अर्पित करने वाले युगपुरुष

कोलकाता में 6 जुलाई 1901 को जन्मे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को प्रतिभा और संस्कार विरासत में मिले थे। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी विख्यात शिक्षाविद्, न्यायविद् तथा कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति थे, जबकि माता जोगमाया देवी धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। शिक्षा और संस्कृति से ओतप्रोत पारिवारिक वातावरण ने उनके व्यक्तित्व को प्रारंभ से ही विशिष्ट दिशा दी। अपनी विलक्षण प्रतिभा के कारण उन्होंने कम आयु में ही शैक्षिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। कानून की शिक्षा पूरी करने के बाद वे इंग्लैंड गए और बैरिस्टर बनकर भारत लौटे। मात्र 33 वर्ष की आयु में 1934 में उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया। वह विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। उनके कार्यकाल में शिक्षा के आधुनिकीकरण और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान के बाद उन्होंने सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू की। बंगाल की राजनीति में उन्होंने महत्वपूर्ण स्थान बनाया और वित्त मंत्री के रूप में भी कार्य किया। देश के विभाजन के समय उन्होंने बंगाल और पंजाब के संपूर्ण विभाजन का विरोध करते हुए यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि इन दोनों प्रांतों के बड़े हिस्से भारत में बने रहें। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब देश की पहली मंत्रिपरिषद का गठन हुआ तो प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री बनाया। किंतु राष्ट्रीय नीतियों और विशेषकर नेहरू-लियाकत समझौते के मुद्दे पर मतभेदों के कारण उन्होंने 1950 में मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय विचारधारा को मजबूत राजनीतिक मंच देने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर के सहयोग से 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उसके प्रथम अध्यक्ष बने। यही संगठन आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। उस समय जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्राप्त था। वहां अलग संविधान, अलग झंडा और अलग प्रशासनिक व्यवस्था लागू थी। भारतीय नागरिकों को राज्य में प्रवेश के लिए परमिट लेना पड़ता था। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि स्वतंत्र भारत में ऐसी व्यवस्था राष्ट्रीय एकता के विपरीत है। उन्होंने पूरे देश में यह उद्घोष किया कि "एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगे।" अगस्त 1952 में जम्मू में आयोजित एक विशाल जनसभा में उन्होंने ऐलान किया था "या तो मैं आपको भारतीय संविधान दिलाऊंगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दूंगा।" अपने इसी संकल्प को साकार करने के लिए वह 8 मई 1953 को बिना परमिट जम्मू-कश्मीर की ओर रवाना हुए। 11 मई को उन्हें गिरफ्तार कर श्रीनगर में नजरबंद कर दिया गया। लगभग डेढ़ महीने की नजरबंदी के दौरान ही 23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया। लंबे समय तक उनकी मृत्यु की परिस्थितियों को लेकर प्रश्न उठते रहे और निष्पक्ष जांच की मांग भी होती रही। समय बीतता गया, लेकिन डॉ. मुखर्जी का विचार और उनका संकल्प देश की चेतना में जीवित रहा। 5 अगस्त 2019 को जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधान समाप्त किए गए और भारतीय संविधान को पूर्ण रूप से लागू किया गया, तब अनेक लोगों ने इसे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अधूरे स्वप्न की पूर्ति के रूप में देखा। आज देश के अनेक संस्थान, सड़कें और योजनाएं उनके नाम से जुड़ी हुई हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी पहचान उनके विचार और राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि केवल एक महान नेता को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, अखंडता और राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने जीवन में उतारने का भी संदेश देती है। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती के अवसर पर भारत सरकार द्वारा करेंसी सिक्के व डाक टिकट जारी किए गए । जब कि इससे पूर्व में इनकी जयंती पर जहां करेंसी सिक्के व डाक टिकट जारी किए जाते रहे हैं वहां पर देश के विभिन्न भागों में इनके नाम पर सड़कों व पार्कों सहित अनेक संस्थाएं भी स्थापित की गई हैं ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भक्ति से मिलती है चुनौतियों से लड़ने की शक्ति

संकलित

दर्शन

इस विशाल ब्रह्मांड में, एक कालनिरपेक्ष और असीमित ऊर्जा सृष्टि के प्रत्येक पक्ष में प्रकट होती है। ये समय, स्थान, आरंभ-अंत से परे है। अक्सर हम उन लोगों पर दया भाव रखते हैं, जो हमसे अधिक युवा हैं या हम उन्हें कम ज्ञान वाला समझते हैं। इसी प्रकार हम बुजुर्गों द्वारा दिए गए ज्ञान को पुराना और अज्ञान से भरा हुआ मान लेते हैं। लेकिन, हमें ये बात समझने की आवश्यकता है कि दिव्यता बुद्धिमत्ता, आयु या स्वभाव पर ध्यान दिए बिना, सबके हृदय में वास करती है। प्रत्येक व्यक्ति में शिव तत्व का संज्ञान लेने से हमारे भीतर एक समरसता उत्पन्न हो जाती है, जो हमें शिव से एकाकार करती है। पुराने समय के ऋषियों और ज्ञानियों ने हर एक चीज को शिव का ही अंश माना। शिव सर्वव्याप्त हैं। यही वेदों का सार है। वेदांत दूसरी ओर भूला देने और ज्ञान की सीमाओं के परे जाने को भी दर्शाते हैं। वह उसके बारे में भी बताते हैं, जो द्वैत से परे है, अच्छे और बुरे से परे है। वेदांत अद्वैत की वास्तविकता का भी उद्घाटन करते हैं, जो अस्तित्व के मूल में छिपा हुआ है। ईश्वर के सर्वव्याप्त होने की धारणा पर बहुत पुराने समय से प्रश्न उठते आए हैं। यदि ईश्वर सचमुच में सर्वव्याप्त हैं, तो शैतान कहां रहता है। शताब्दियों से धर्मशास्त्रियों ने इस असमंजस पर गुत्थम-गुत्था की है। यदि ईश्वर सर्वव्याप्त हैं, तो कोई शक्ति उन्हें चुनौती कैसे दे सकती है? उत्तर इस समझ में है कि हर एक चीज में ईश्वर है, शैतान में भी। वेदांत दर्शन ने द्वैत की सीमाओं को पार किया और अद्वैत के सत्य को बताया, जो अच्छे और बुरे से परे है।

बच्चों को सुविधाओं से ज्यादा अच्छे संस्कार दें

संकलित

प्रेरणा

महाभारत में दो खास परिवार हैं, पहला पांडव और दूसरा है कौरव। पांडव परिवार में कुंती और पांच पुत्र थे। जबकि कौरव परिवार में धृतराष्ट्र और गांधारी के साथ ही सौ पुत्र थे। पांडवों के पास सुख-सुविधाओं का अभाव था, जबकि कौरवों के पास सारी सुख-सुविधाएं थीं। महाभारत में कुंती अपने पांच पुत्रों के साथ वन में रह रही थीं, क्योंकि धृतराष्ट्र और दुर्योधन नहीं चाहते थे कि पांडु के पुत्रों को राज्य मिले। धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन अधर्मी था। वह बचपन से ही पांडव पुत्रों को परेशान कर रहा था। कुंती के पति पांडु शाप की वजह से मर चुके थे। पांडु की दूसरी पत्नी माद्री भी जीवित नहीं थी। इन दोनों के बाद कुंती को पांच पुत्रों का पालन करना था। तीन पुत्र कुंती के थे और दो पुत्र माद्री के थे। कुंती जानती थीं कि जंगल में तो कोई सुख-सुविधा तो मिलेगी नहीं, इसलिए कुंती ने बच्चों का पालन करते समय संस्कारों पर ज्यादा ध्यान दिया। दूसरी ओर कौरव पक्ष में धृतराष्ट्र अंधे थे, गांधारी ने भी आंखों पर पट्टी बांध ली थी। दुर्योधन और उसके भाई लगातार गलत काम कर रहे थे, लेकिन माता-पिता ने उनकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि सभी कौरव पुत्र अधर्मी हो गए। महाभारत युद्ध में जब श्रीकृष्ण को ये निर्णय लेना था कि किसके पक्ष में रहेंगे, तब उन्होंने धर्म मार्ग पर चल रहे पांडव पुत्रों को चुना। धृतराष्ट्र और गांधारी ने अपने पुत्रों को सुख-सुविधा की हर एक चीज दी थी, लेकिन अच्छे संस्कार नहीं दिए थे। संतान के मोह में धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को सही-गलत का फर्क नहीं बताया।

अंतर्मन

आज की पाती

दलबदल विरोधी कानून की वास्तविकता

लोकतंत्र की सफलता का आधार केवल नियमित चुनाव नहीं, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही, राजनीतिक स्थिरता और जनादेश के प्रति निष्ठा भी है। संसद और विधानसभाएं जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा इन संस्थाओं की स्थिरता लोकतांत्रिक शासन के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक है। किंतु भारतीय राजनीति में लंबे समय तक दलबदल की प्रवृत्ति ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को गंभीर चुनौती दी। व्यक्तिगत लाभ, मंत्री पद, आर्थिक प्रलोभन अथवा राजनीतिक अवसरवाद के कारण निर्वाचित प्रतिनिधि बार-बार अपनी निष्ठा बदलते रहे, जिससे सरकारें गिरती रहीं और जनादेश का अपमान होता रहा। इसी समस्या के समाधान के लिए दलबदल विरोधी कानून लागू किया गया। लेकिन वास्तविकता यह है कि अब पहले से भी ज्यादा दलबदल हो रहा है। – *प्रशांत चौबे, बिलासपुर*

ट्रेंड

पंजाब में सभी सीटों पर लड़ेंगे

पश्चिम बंगाल की तरह पंजाब में भी "डबल इंजन" की सरकार बनाने के लिए सभी भाजपा कार्यकर्ता जुट जाएं। पार्टी पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। -**नितिन नवीन**, भाजपा अध्यक्ष

छक्का लगाया

जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब छक्के लग चुके हैं। हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए। -**एकनाथ शिंदे**, उपमुख्यमंत्री महाराष्ट्र

उनकी वफादारी बिकाऊ

शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसदों ने पार्टी छोड़कर साबित कर दिया है कि उनकी वफादारी बिकाऊ है। कम से कम यह मान लीजिए कि लालच की वजह से आपने रातोंरात बिना किसी शर्म के यह सब छोड़ दिया। यह लालच एक दिन आपको ले डूबेगा। -**आदित्य ठाकरे**, पूर्व मंत्री, महाराष्ट्र

प्रयोगशाला को मंजूरी दें

आदिलाबाद की रणनीतिक स्थिति इसे ऐसे विमानन एवं रखरखाव केंद्र के लिए उपयुक्त बनाती है। इसलिए रक्षा मंत्री से आग्रह है कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला से जुड़ी परियोजना को शीघ्र मंजूरी दें। -**रेवंत रेड्डी**, सीएम, तेलंगाना

करंट अफेयर

कांगो में इबोला संक्रमितों का आंकड़ा 1,003 पहुंचा

पूर्वी कांगो में फैले इबोला संक्रमण के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 1,003 हो गई है, जिनमें 254 मौतें शामिल हैं। अधिकारियों ने रविवार देर रात जारी एक बयान में यह जानकारी दी। कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 15 मई को इस बीमारी के प्रकोप की घोषणा होने के बाद से इस महामारी से अब तक कुल 100 लोग पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। इस संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले इटुरी प्रांत से सामने आ रहे हैं। दुर्लभ 'बुंदीबुग्यो वायरस' के कारण फैला यह इबोला प्रकोप अब तक का सबसे खतरनाक रूप ले चुका है, क्योंकि इस वायरस के लिए वर्तमान में कोई टीका या इलाज उपलब्ध नहीं है। अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि ऐसे कई और मामले हो सकते हैं जिनकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है, और इस महामारी का चरम आना अभी बाकी है। मंत्रालय के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों के लिए संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, क्योंकि वे अब तक केवल 55 प्रतिशत कवरेज दर ही हासिल कर पाए हैं। अधिकारियों ने कहा कि वे अभी तक इस महामारी के 'पेशेंट जीरो' (पहले संक्रमित व्यक्ति) की पहचान नहीं कर पाए हैं।

ऑफ बीट

भूख लगने पर भोजन का स्वाद पहले महसूस होता है

अगर आपको रात के खाने में कुछ खास खाने की इच्छा हो रही है तो संभव है कि आपका दिमाग उसे खाने से पहले ही उसके स्वाद को महसूस करने लगे। एक नए अध्ययन में यह दावा किया गया है कि भूख की स्थिति में मस्तिष्क भोजन के स्वाद, गंध और उसे खाने के अनुभव की मानसिक कल्पना को अधिक सजीव रूप से महसूस करने लगता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, अधिकतर लोग यह अनुभव कर चुके हैं कि खाली पेट बाजार जाने पर वे जरूरत से ज्यादा मीठे, तैलीय या पसंदीदा खाद्य पदार्थ खरीद लेते हैं। आमतौर पर इसे भूख का असर माना जाता है, लेकिन नया अध्ययन बताता है कि भूख केवल खाने की इच्छा नहीं बढ़ाती, बल्कि भोजन से जुड़ी मानसिक छवियों और संवेदनाओं को भी अधिक प्रभावशाली बना देती है। अध्ययन में कहा गया कि मानव मस्तिष्क के लिए भोजन हमेशा से एक बहु-संवेदी अनुभव रहा है। यह अनुभव किसी पेस्ट्री को देखने, भोजन की सुगंध महसूस करने या उसके स्वाद और बनावट को याद करने से शुरू हो सकता है। भोजन से जुड़े अनुभव मस्तिष्क में स्मृतियों के रूप में दर्ज हो जाते हैं और बाद में मानसिक कल्पना के माध्यम से दोबारा महसूस किए जा सकते हैं।

रॉयल पत्रिका

दिल्ली में जनवरी 2025 तक की सभी झुग्गी बस्तियों के निवासियों को पुनर्वास का लाभः मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि उनकी सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में एक जनवरी 2025 तक स्थापित सभी पात्र झुग्गी बस्तियों के निवासियों को पुनर्वास का लाभ देने का फैसला किया है जिससे करीब 20 लाख लोगों के लिए पक्के आवास का मार्ग प्रशस्त होगा। यह फैसला गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) की 36वीं बोर्ड बैठक में लिया गया। गुप्ता ने बताया, "बैठक में तय किया गया कि दिल्ली में एक जनवरी 2025 तक स्थापित सभी पात्र झुग्गी बस्तियों के निवासियों को पुनर्वास का लाभ दिया जाएगा। इस ऐतिहासिक निर्णय से राजधानी की जेजे बस्तियों में रहने वाले लगभग चार से पांच लाख परिवारों यानी करीब 20 लाख लोगों के लिए पक्के और सम्मानजनक आवास का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी बयान के मुताबिक, यह निर्णय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हाल में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक और दिल्ली स्लम एवं जेजे क्लस्टर पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति 2026 के तहत लिए गए फैसलों के अनुरूप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय केवल मकान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि लाखों परिवारों को सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, लंबे समय से पुरानी पात्रता तिथि के कारण बड़ी संख्या में परिवार पुनर्वास के लाभ से वंचित रह जाते थे। नई कट-ऑफ तिथि तय होने से अब अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इसका लाभ मिल सकेगा।

मोटर वाहन अधिनियम के तहत उचित मुआवज़ा देने का सिद्धांत राहत पहुंचाने की एक कोशिश : न्यायालय

नई दिल्ली,(भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत उचित मुआवजा देने का सिद्धांत ठीक-ठीक गणितीय बराबरी का मामला नहीं है, बल्कि यह उन लोगों को कुछ राहत देने की कोशिश है जिनकी अपूरणीय क्षति हुई है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी (फाइनल) की पढ़ाई कर रहे 20 साल के उस युवक के माता-पिता को दिए गए मुआवजे में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसकी जून 2013 में दिल्ली में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। पीठ ने कहा कि इस मामले में मुआवजे के फैसले को सिर्फ गणितीय नजरिए से नहीं देखा जा सकता, बल्कि ऐसे दावों के पीछे मौजूद मानवीय पहलू को भी ध्यान में रखना जरूरी है। उसने कहा कि उसके सामने आया मामला एक ऐसे युवा की जान जाने से जुड़ा है जिसमें पेशेवर तौर पर आगे बढ़ने की अच्छी संभावना थी, और इस कानून के तहत मुआवजा तय करने का आधार मुख्य रूप से उचित मुआवजा देने का सिद्धांत था। पीठ ने कहा, यह सिद्धांत पूरी तरह से गणितीय बराबरी का नहीं है, बल्कि यह कानून की ओर से उन लोगों को मानवीय सीमाओं के भीतर कुछ राहत देने की कोशिश है, जिन्हें कभी न पूरा होने वाला नुकसान हुआ है। न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के

अगस्त 2022 के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के उस आदेश को सही ठहराया था, जिसमें पीड़ित के माता-पिता को 81.21 लाख रुपए का मुआवजा देने का फैसला सुनाया गया था। माता-पिता ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत दावा याचिका दायर करके अपने बेटे की असमय मौत के लिए मुआवजे की मांग की थी।मुआवजे की रकम के मामले पर विचार करते हुए, उच्चतम न्यायालय ने कहा कि न्यायाधिकरण ने मृतक की शिक्षा में प्रगति, पेशेवर संभावनाओं और करियर में संभावित तरक्की को ध्यान में रखते हुए उसकी मासिक आय 55,500 रुपए तय की थी। पीठ ने कहा, "इस मामले के तथ्यों को देखते हुए, मृतक अविवाहित बेटे के माता-पिता (दावा करने वाले) फिलियल कंसोर्टियम (माता-पिता को हुए गहरे भावनात्मक सदमे, प्यार, स्नेह और उनके साथ के नुकसान की भरपाई के लिए दिया जाने वाला मुआवाजा) के तहत मुआवजे के हकदार हैं। न्यायालय ने निर्देश दिया कि पहले से दिए गए मुआवज़े के अलावा, दावा करने वाले फिलियल कंसोर्टियम के लिए प्रति व्यक्ति 40,000 रुपए पाने के हकदार होंगे। पीठ ने कहा कि न्यायाधिकरण के फैसले के अनुसार, दावा करने वालों को मिलने वाला कुल मुआवजा (8377)81,21,900 से बढ़कर (8377) 82,01,900 हो जाएगा, साथ ही उस पर ब्याज भी मिलेगा।

दिल्ली की हवा में हर समय बदलते रहते हैं प्रदूषण कणों का स्तर

नई दिल्ली,(भाषा)। दिल्ली में हवा को प्रदूषित करने वाले मुख्य तत्वों का हर घंटे विश्लेषण करने पर पता चला कि दिन के अलग-अलग समय पर प्रदूषण का स्तर घटता-बढ़ता रहता है। इससे हवा की खराब गुणवत्ता के कारणों और प्रदूषण कम करने के उपायों के सबसे असरदार समय के बारे में अहम जानकारी मिलती है। विश्लेषण से पता चलता है कि दिल्ली के प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए न केवल मौसमी रणनीतियों, बल्कि समय-विशेष के अनुसार उपायों की भी जरूरत हो सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पीएम2.5, पीएम10 और ओजोन जैसे प्रदूषकों के स्तर में रोजाना अलग-अलग तरह के बदलाव दिखते हैं, जिन पर यातायात से निकलने वाले धुएं और धूल के दोबारा हवा में उड़ने से लेकर मौसम की स्थितियों और सूरज की रोशनी से होने वाली रसायनिक प्रतिक्रियाओं तक का असर पड़ता है। शोध एवं परामर्श विचारक संस्था एनवायरोकैटलिस्ट्स द्वारा बनाए गए एक सार्वजनिक डैशबोर्ड में एक नई विशेषता जोड़ी गई है। यह फीचर 2015 से केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के हर घंटे के वायु गुणवत्ता के दर्ज आंकड़ों को एकत्र करता है, जिससे उपयोगकर्ता अलग-अलग प्रदूषकों और मौसमों के हिसाब से लंबे समय की प्रवृत्ति पर नजर रख सकते हैं।

संसदीय समिति घरेलू हिंसा के मामलों और उनके समाधानों पर गौर करेगी

नई दिल्ली, (भाषा)। संसद की एक अहम समिति ने महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा, महिलाओं और लड़कियों की तस्करी तथा पीड़ितों के पुनर्वास जैसे मुद्दों पर गौर करने का फैसला किया है। महिलाओं का सशक्तीकरण संबंधी समिति 2026-27 जिन विषयों पर विचार करेगी उनमें जेलों में महिला कैदियों की हालत, महिला स्वास्थ्य कर्मियों के काम करने का माहौल और उनकी सुरक्षा शामिल हैं। यह समिति मंत्रालयों में जेंडर बजट और कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम , 2013 के कार्यान्वयन की भी समीक्षा करेगी। इस समिति का गठन पहली बार अप्रैल 1997 में 11वीं लोकसभा के दौरान किया गया था, जब महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो एक जैसे प्रस्ताव पेश किए गए थे। इस समिति में 30 सदस्य होते हैं जिनमें लोकसभाध्यक्ष 20 सदस्यों को राज्यसभा के सभापति 10 सदस्यों को नामित करते हैं।

साइकिल चलाने से भारत के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा को मिलेगी गति : मांडविया

तिरुवनंतपुरम,(भाषा)। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि साइकिल चलाना, भारत के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मांडविया यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित साइक्लिंग वाय द सी कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। साइकिल रैली का आयोजन चाका आईटीआई से शुरू होकर शंगुमुखम बीच तक किया गया। इस अवसर पर मांडविया ने कहा कि एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण केवल स्वस्थ नागरिकों से ही संभव है। उन्होंने साइकिल चलाने को स्वस्थ जीवनशैली की कुंजी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य लाभ के अलावा साइकिल चलाने से प्रदूषण कम करने, यातायात जाम घटाने और ईंधन संरक्षण में भी मदद मिलती है। लोगों से साइकिल चलाने को नियमित आदत बनाने की अपील करते हुए मंत्री ने फिट इंडिया मूवमेंट के तहत जारी संडेज ऑन साइकिल पहल का भी उल्लेख किया। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के महापौर वी. वी. राजेश भी इस दौरान मांडविया के साथ उपस्थित रहे। लगभग 200 प्रतिभागियों की इस रैली को भाजपा विधायक वी. मुरलीधरन और अर्जुन पुरस्कार विजेता पी. आर. श्रीजेश ने चाका से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भाजपा नेता के क्लीनिक पर पेट्रोल बम फेंका

चंडीगढ़, (भाषा)। पंजाब के बठिंडा जिले में दो अज्ञात व्यक्तियों ने एक होम्योपैथिक चिकित्सक एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता के क्लीनिक पर पेट्रोल बम फेंका। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोमवार रात हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।तरसेम गर्ग का बठिंडा के मेला राम रोड पर एक क्लीनिक है। उनके परिवार ने हाल में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थामा है। पैदल आए दो लोगों ने बठिंडा के मेला राम रोड स्थित विशाल नगर में मौजूद क्लीनिक की तरफ पेट्रोल से भरी बोतल को जलाकर फेंक दिया। यह क्लीनिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दफ्तर के सामने है।

मप्र की डबल इंजन की सरकार में लूट का इंजन तेज रफ्तार से चल रहा है : कांग्रेस

नई दिल्ली, (भाषा)। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके परिवार पर लगे जमीन खरीद से जुड़े आरोपों को लेकर मंगलवार को तंज किया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार में लूट का इंजन तेज रफ्तार से चल रहा है।पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि खुद प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव इस लूट के कर्ताधर्ता बने हुए हैं। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया भाजपा की मध्य प्रदेश की डबल इंजन की सरकार में लूट का इंजन तेज रफ्तार से चल रहा है। खुद प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव इस लूट के कर्ताधर्ता बने हुए हैं। उन्होंने दावा किया,चर्चा यह भी है कि मुख्यमंत्री के खिलाफखबर की खेती मप्र से केंद्र में गए कृषि मंत्री ने ही करवाई हैउ आपसी लड़ाई कुर्सी और लूट में हिस्सेदारी की लगती है।अंग्रेजी दैनिक इंडियन एक्सप्रेस में

प्रकाशित रपट में दावा किया गया है कि दिसंबर, 2023 में यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद से उनके परिवार ने उज्जैन में लगभग 168 एकड़ जमीन के 137 भूखंड खरीदे। आरोप है कि ए भूखंड उन विशेष इलाकों में खरीदे गए हैं, जहां नई सड़कें, राजमार्ग और बुनियादी ढांचे का काम जारी है या प्रस्तावित है।फिलहाल मुख्यमंत्री की ओर से इन आरोपों पर प्रतिक्रिया नहीं आई है।

संक्षिप्त समाचार

केरल में बस स्टॉप में घुसी लॉरी तीन लोगों की मौत

कोल्लम (केरल), (भाषा)। कोल्लम के कोट्टाराकारा के नीलेश्वरम में मंगलवार सुबह मिट्टी से लदी एक लॉरी अचानक अनियंत्रित होकर एक बस स्टॉप में जा घुसी, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और अन्य पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि लॉरी में लदी सारी मिट्टी बस स्टॉप पर मौजूद लोगों के ऊपर गिर गई जिससे कई लोग मिट्टी के भारी ढेर के नीचे दब गए।उसने बताया कि हादसे में जान गंवाने वालों में एक छात्र भी शामिल है, जो स्कूल जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था। घायलों में कुछ अन्य छात्र भी शामिल हैं।स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि तीन लोगों, पार्थिपन (15), हरिलाल (54) और अजयकुमार (50) को कोट्टाराकारा तालुक अस्पताल में मृत लाया गया था। इस दुर्घटना में पांच अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें गंभीर रूप से घायल हुए लोगों की पहचान ऋषभ (15), कौशिक (15) और निज़ाम (40) के रूप में हुई है। तीनों को विशेष उपचार के लिए कोल्लम के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने बताया कि नवनीत कृष्णन (13) और जिबी मोल (15) को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद शुरुआत में यह पता लगाने के प्रयास किए गए कि क्या कोई और व्यक्ति मिट्टी के ढेर के नीचे फंसा हुआ है। एक प्रत्यक्षदर्शी महिला ने बताया कि वह और कुछ अन्य लोग इस दुर्घटना में बाल-बाल बचे। उसने पत्रकारों को बताया, मैं बस स्टॉप से कुछ दूरी पर खड़ी थी। लॉरी बहुत तेज गति से आ रही थी। मुझे नहीं पता कि उसके ब्रेक फेल हो गए थे या नहीं लेकिन उसने बस स्टॉप पर खड़े लोगों को टक्कर मार दी और वाहन में लदी मिट्टी उनके ऊपर गिर गई।इस बीच, स्वास्थ्य और देवस्वओम मंत्री के मुरलीधरन ने अधिकारियों को निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों के लिए विशेष उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

15 वर्षीय किशोरी ने की आत्महत्या, दो दोस्तों पर मामला दर्ज

ठाणे, (भाषा)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में 15 वर्षीय एक किशोरी ने दो दोस्तों द्वारा उसकी निजी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर लीक किए जाने से परेशान होकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि 18 जून की इस घटना के संबंध में 17 और 18 वर्ष के दो लड़कों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मानसिक रूप से अत्यधिक परेशान होकर नाबालिग लड़की ने 18 जून की शाम को अपने घर पर फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।अधिकारी ने यह भी बताया कि जांच में सामने आया है कि पीड़िता ने आरोपी लड़कों में से एक के मोबाइल फोन से अपनी कुछ तस्वीरें ली थीं और वीडियो बनाए थे। इसके बाद आरोपियों ने इन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।उन्होंने कहा कि इस मामले में अब तक किसी को पकड़ा नहीं गया है और जांच जारी है।

पीजी मालिक की हमले में मौत दो छात्र गिरफ्तार

बेंगलुरु, (भाषा)। बेंगलुरु में दो छात्रों द्वारा बैट से कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद एक पेइंग गेस्ट (पीजी) के मालिक की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी होने के बाद यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान माधव माटले (37) के रूप में हुई है।पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे कस्तूरीनगर मेन रोड के निकट स्थित माटले के पीजी के बाहर हुई।पुलिस ने बताया कि माटले ने कथित तौर पर आरोपियों के परिसर के भीतर नल के पानी से पैर धोने पर आपत्ति जताई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए बताया कि राकेश और डॉन ब्राइट सन पीजी परिसर में नल के पानी से अपने पैर धो रहे थे, जिस पर मालिक ने आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि दोनों आरोपी आपस में दोस्त हैं और जिस पीजी में यह घटना हुई, वहां नहीं रहते थे। उन्होंने बताया कि घटना के समय दोनों कथित तौर पर शराब के नशे में थे।अधिकारी के अनुसार, इसी बीच माटले आरोपियों को मारने के लिए एक बैट लेकर आए। हालांकि, दोनों ने कथित तौर पर बैट छीन लिया और उससे माटले पर हमला कर दिया, जिससे चोटों के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में राममूर्ति नगर थाने में हत्या का मामला दर्ज दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, राकेश बी.कॉम. अंतिम वर्ष का छात्र है, जबकि डॉन ब्राइट सन बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के प्रथम वर्ष का छात्र है।पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

देश की दवा आपूर्ति श्रृंखला चीनी आयात पर बहुत अधिक निर्भर : नीति आयोग

नई दिल्ली,(भाषा)। नीति आयोग ने मंगलवार को कहा कि भारत की औषधि आपूर्ति श्रृंखला जरूरी रसायन यानी कच्चे माल (एपीआई) और मुख्य शुरुआती सामग्री के लिए चीन से होने वाले आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयोग ने व्यापार पर जारी तिमाही रिपोर्ट में यह भी कहा कि पर्यावरण से जुड़े नियमों का पालन करने की बढ़ती जरूरतों के कारण भारत में विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास की लागत काफी बढ़ गई है। रिपोर्ट में कहा गया, भारत की औषधि आपूर्ति श्रृंखला प्रमुख रसायन, मुख्य शुरुआती सामग्री और अन्य जरूरी उत्पादों के लिए चीन से होने वाले आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। इन वस्तुओं के आयात में चीन की 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसमें कहा गया है कि कमजोर नवोन्मेष और वाणिज्यिक परिवेश ने नवोन्मेषकों और लंबे समय के निवेश के लिए अनिश्चितता पैदा कर दी है। इसमें अधिक मूल्य वाले औषधि खंड में विविधता लाने पर जोर दिया गया। रिपोर्ट में पेटेंट वाणिज्यिकरण, अनुसंधान सहयोग और स्टार्टअप इनक्यूबेशन को तेजी देने के लिए नियामकीय पारदर्शिता बढ़ाने और उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के बीच मजबूत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की भी बात कही गई है।

अदालत ने दिव्यांग महिला के टोटल एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टॉमी की अनुमति दी

बेंगलुरु, (भाषा)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बौद्धिक और विकास संबंधी अक्षमताओं से जूझ रही 23 वर्षीय एक महिला की टोटल एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टॉमी करने की अनुमति दे दी है और कहा कि यह प्रक्रिया महिला के कल्याण, स्वास्थ्य, गरिमा और उसके सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखकर की जा रही है। टोटल एब्डॉमिनल हिस्टेरेक्टॉमी एक शल्य चिकित्सा है, जिसमें पेट पर चीरा लगाकर गर्भाशय और गर्भाशय ग्रीवा को पूरी तरह निकाल दिया जाता है।

मादक पदार्थ अपराधों से जुड़े पुलिसकर्मी बर्खास्त महाराष्ट्र में नशा-विरोधी अभियान तेज़ : फडणवीस

मुंबई, (भाषा)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में संलिप्त पाए गए पुलिसकर्मियों को न केवल निलंबित किया गया है बल्कि उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्वाई को और तेज कर दिया है। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार मादक पदार्थ रोधी तंत्र को मजबूत कर रही है और इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए विशेष इकाइयों का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा, मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में संलिप्त पाए गए पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया

गया है। मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि देश में मादक पदार्थ रैकेट के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक सलीम डोला को गिरफ्तार कर भारत लाया गया है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोला ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में एमडी बनाने की फैक्टरी स्थापित की थीं और लगभग 4,000 किलोग्राम सिंथेटिक मादक पदार्थ का उत्पादन और बिक्री की थी। फडणवीस ने कहा, इस नेटवर्क का अधिकांश हिस्सा अब ध्वस्त किया जा चुका है, जो नशे के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सात नशा-रोधी इकाइयां काम कही हैं इन्हें धीरे-धीरे राज्यभर में विस्तार देकर विकेंद्रीकृत किया जाएगा। इसके लिए अतिरिक्त जनशक्ति भी तैयार की जा रही है।

दिल्ली के चिड़ियाघर में काले हिरण और चीतल की संख्या क्षमता से अधिक

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली स्थित चिड़ियाघर में काले हिरण (ब्लैकबक), चित्तीदार हिरण (चीतल), संगाई हिरण और बार्किंग हिरण की संख्या उनके बाड़ों की क्षमता से कहीं अधिक हो गई है और कुछ प्रजातियों की संख्या तो तय सीमा के तीन गुना से भी अधिक हो गई है। एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, हाल के वर्षों में लगातार दूसरी जगहों पर भेजे जाने की कोशिशों के बावजूद इन शाकाहारी जानवरों की आबादी में बढ़ोतरी इनकी देखभाल से जुड़ी

चुनौतियों को दर्शाती है। सबसे बड़ी बढ़ोतरी काले हिरण की आबादी में देखी गई है, जिनकी संख्या तय क्षमता 40 के मुकाबले 143 है। अधिकारी ने बताया कि चीतल की संख्या तय क्षमता 30 के मुकाबले 85 है, जबकि काले मृग की आबादी 20-25 की तय सीमा के मुकाबले 80 तक पहुंच गई है।

केरल की अर्थव्यवस्था में तीव्र वृद्धि, राजकोषीय लक्ष्य हासिल करने में चूकी : कैग रिपोर्ट

तिरुवनंतपुरम, (भाषा)। केरल की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 10 प्रतिशत की दर से बढ़ी लेकिन कमजोर राजस्व वृद्धि, बढ़ते खर्च और ऊंचे कर्ज स्तर के कारण राज्य अपने राजकोषीय लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सका। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। राज्य विधानसभा में मंगलवार को पेश कैग रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में केरल के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 9.97 प्रतिशत वृद्धि रही, जबकि एक साल पहले यह वृद्धि दर 9.30 प्रतिशत थी। रिपोर्ट कहती है कि राजस्व प्राप्तियों में केवल 0.30 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि राज्य के अपने कर राजस्व में महज 3.11 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इससे संकेत मिलता है कि अर्थव्यवस्था के विस्तार के बावजूद कर संग्रह अपेक्षाकृत धीमा रहा।कैग ने कहा कि केंद्र से करों में हिस्सेदारी के रूप में केरल को मिलने वाली राशि में लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन केंद्रीय अनुदानों में 42 प्रतिशत की गिरावट आई। इसका मुख्य कारण वित्त आयोग की राजस्व घाटा अनुदान योजना का समाप्त होना रहा। आलोच्य अवधि में सरकारी खर्च में बढ़ोतरी जारी रही और साल के दौरान कुल खर्च 8.97 प्रतिशत बढ़ गया। वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान सरकारी खजाने पर सबसे बड़ा बोझ बने रहे। इन मदों पर होने वाले खर्च राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियों का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा रहा। कैग ने केआईआईएफबी और केएसएसपीएल जैसी सरकारी संस्थाओं के जरिए गैर-बजटीय उधारी जुटाने के लगातार इस्तेमाल पर चिंता जताई है लेकिन यह भी कहा कि इस वित्त वर्ष में विकास कार्यों पर खर्च 17,886.78 करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो पिछले दशक का सबसे उच्च स्तर है। रिपोर्ट के मुताबिक, केरल राजकोषीय दायित्व अधिनियम के तहत निर्धारित किसी भी वित्तीय लक्ष्य को राज्य हासिल नहीं कर पाया। वित्त वर्ष 2024-25 में केरल का राजस्व घाटा बढ़कर जीएसडीपी के 2.49 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो एक साल पहले 1.60 प्रतिशत था। वहीं राजकोषीय घाटा 3.02 प्रतिशत से बढ़कर 3.86 प्रतिशत हो गया।

» रिपोर्ट कहती है कि राजस्व प्राप्तियों में केवल 0.30 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि राज्य के अपने कर राजस्व में महज 3.11 प्रतिशत का इजाफा हुआ

गुरुवार रात को ताजियों की सेहराबंदी, शुक्रवार को निकलेगा मातमी जुलूस

सवाई माधोपुर (शादाब अली/रॉयल पत्रिका)। हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाने वाला मुहर्रम का पर्व सवाई माधोपुर के पुराने शहर में पूरी अकीदत और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाएगा। मोहर्रम कमेटी ने बताया कि 25 जून (गुरुवार) रात 9:00 बजे मिर्जा मोहल्ला में ताजियों की सेहराबंदी का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अखाड़ों के उस्ताद दिखाएंगे करतब इसके अगले दिन 26 जून (शुक्रवार) को ताजियों की गश्त और सलामी होगी। शाम को पुलिस चौकी चौराहा पर दस्तारबंदी कार्यक्रम होगा, जहां विभिन्न अखाड़ों के उस्ताद पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद जुलूस सदर बाजार होते हुए कर्बला पहुंचेगा। यह पूरा आयोजन हाजी अब्दुल गनी के संरक्षण और नायब सदर मेहनाज पटेल की अध्यक्षता में होगा। कमेटी के सरपरस्त बाबा लुकमान ने शहरवासियों से भाईचारा और अनुशासन बनाए रखने की अपील की है।

एसडीपीआई ने धार्मिक स्थलों को हटाने के विरोध में प्रदर्शन कर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (SDPI) बारां जिला इकाई ने पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, फलोदी एवं बीकानेर क्षेत्रों में हाल ही में धार्मिक स्थलों को ध्वस्त किए जाने की घटनाओं के विरोध में पुरजोर आवाज उठाई है। इस संबंध में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक विशाल प्रदर्शन करते हुए भारत के राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर, बारां को ज्ञापन सौंपा। अंजुमन चौराहे से कलेक्ट्रेट तक किया प्रदर्शन पार्टी के सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारी पहले शहर के मुख्य अंजुमन चौराहे पर एकत्रित हुए। वहां से सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारे लगाते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। ज्ञापन में जिला अध्यक्ष अब्दुल अजीज ने कहा कि बिना किसी न्यायसंगत प्रक्रिया के धार्मिक स्थलों को हटाने अथवा ध्वस्त करने की प्रशासनिक कार्रवाई से आमजन की धार्मिक भावनाएं गंभीर रूप से आहत होती हैं। इसका सीधा प्रतिकूल प्रभाव बरसों पुराने सामाजिक सौहार्द और भाईचारे पर पड़ता है। पार्टी ने राष्ट्रपति महोदया से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने और सभी धार्मिक स्थलों के प्रति समान व न्यायसंगत नीति अपनाने की मांग की। ज्ञापन के दौरान ये पदाधिकारी रहे मौजूद एसडीपीआई नेताओं ने सरकार से इस संवेदनशील मुद्दे पर पारदर्शिता रखने और संविधान के दायरे में रहकर कार्रवाई करने का आग्रह किया। इस अवसर पर एसडीपीआई बारां के जिला अध्यक्ष अब्दुल अज़ीज़, महासचिव अलीम मंसूरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर हुसैन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य इफ्तिखार अहमद, मुफ्ती मोहम्मद उमर शामिल रहे। इनके साथ ही जिला कमेटी मेंबर सलमान, इरशाद अंसारी, रईस अहमद, गुलशेर अहमद, वसीम शेख, शोएब अहमद, मुजफ्फर, शेर अली, हाजी अशफाक हुसैन, इमरान और बाबूलाल बैरवा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंसाफ अली आज़ाद ने तीन दिवसीय प्रवास में सामाजिक व जनहित कार्यक्रमों में की शिरकत

कोटा/जोधपुर (शब्बीर हुसैन/रॉयल पत्रिका)। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एवं एआईसीसी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद का 22 से 24 जून तक का तीन दिवसीय बाड़मेर-जोधपुर प्रवास संपन्न हो गया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, जनहित और संगठनात्मक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। पूर्व मुख्यमंत्री और वक्फ बोर्ड अध्यक्ष से की मुलाकात प्रवास के दौरान इंसाफ अली आज़ाद ने राजस्थान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. खानू खान बुधवाली के साथ बाड़मेर जिला वक्फ कमेटी के सदर गुलाम नेगरड़ा के जोधपुर आवास पर मुलाकात कर वक्फ संपत्तियों के संरक्षण पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट कर पर्यावरण, स्वच्छता और जनभागीदारी पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने डॉ. बुधवाली के साथ ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में हाजिरी देकर देश में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ भी मांगी।

वीर दुर्गादास ब्रिज पर स्कूटी से स्टंट कर रील बनाने वाले पर एक्शन, गाड़ी सीज

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। सोशल मीडिया पर रील बनाकर रातों-रात मशहूर होने और लाइक्स बटोरने का भूत युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। जोधपुर में ऐसे ही एक जानलेवा स्टंट का वीडियो सामने आने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने सख्त और त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने खतरनाक तरीके से स्कूटी चलाने वाले युवक की गाड़ी को सीज कर दिया है और उसका भारी चालान भी काटा है। व्यस्त ब्रिज पर डिलीवरी किट पर बैठकर बनाई रील यह पूरी घटना 22 जून की रात की है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक युवक शहर के सबसे व्यस्ततम इलाकों में शुमार वीर दुर्गादास ब्रिज पर चलती स्कूटी पर खतरनाक स्टंट कर रहा है। हद तो तब हो गई जब युवक स्कूटी की सीट छोड़कर पीछे लगी डिलीवरी किट पर बैठ गया और बिना किसी सुरक्षा के स्कूटी दौड़ाने लगा। इस दौरान उसके साथियों ने इसका वीडियो बनाया और रील को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। एडीसीपी शालिनी राज के निर्देश पर हुई त्वरित कार्रवाई सड़क पर सरेआम कानून तोड़ने का यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, पुलिस महकमे में खलबली मच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीसीपी (ट्रैफिक) शालिनी राज ने तत्काल स्पेशल टीम को जांच, सत्यापन और कार्रवाई के कड़े निर्देश दिए। ट्रैफिक पुलिस ने साइबर सेल की मदद से वीडियो के आधार पर वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर और स्टंटबाज युवक की पहचान की। इसके बाद मंगलवार 23 जून को कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मोटर व्हीकल (MV) एक्ट की धारा 207 के तहत स्कूटी को मौके पर ही सीज कर दिया। पुलिस ने युवाओं से अपील की है कि वे चंद लाइक्स के लिए सड़कों पर अपनी और दूसरों की जान दांव पर न लगाएं।

हज-2027 के आवेदकों के लिए हज हाउस में आयोजित होंगे 4 विशेष सहायता कैंप

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हज ट्रेनर्स एंड रिलीफ फाउंडेशन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हज यात्रा पर जाने वाले इच्छुक आवेदकों की सहूलियत के लिए कुल 4 हज आवेदन एवं सहायता कैंप आयोजित किए जाएंगे। ये सभी कैंप कर्बला मैदान (रामगढ़ मोड़) स्थित हज हाउस, जयपुर में आयोजित होंगे, जहां ऑनलाइन फॉर्म भरने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर निःशुल्क प्रशासनिक व तकनीकी सहायता दी जाएगी। कैंप की तिथियां और आवश्यक दस्तावेज फाउंडेशन के अनुसार, पहला कैंप 27 जून, दूसरा 5 जुलाई, तीसरा 12 जुलाई और चौथा व अंतिम कैंप 19 जुलाई 2026 को सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कैंप का लाभ लेने के लिए आवेदकों को अपने साथ पासपोर्ट साइज फोटो (सफेद बैकग्राउंड), ओरिजिनल पासपोर्ट (प्रथम व अंतिम पृष्ठ की कॉपी), बैंक पासबुक या कैंसिल चेक और पते का प्रमाण (वोटर आईडी, पैन कार्ड, आधार कार्ड आदि) साथ लेकर आना होगा। बैठक में यह पदाधिकारी रहे उपस्थित इस महत्वपूर्ण बैठक में फाउंडेशन के वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे, जिनमें हाजी शाहिद मोहम्मद, डॉक्टर अशफाक नकवी, मोहम्मद साबिर, अब्दुल अज़ीज़, मोहम्मद उसामा, असलम साबरी, आसिफ खान राजा, एहसानुद्दीन, मोहम्मद ज़की, मोहम्मद शाहरुख और मोहम्मद यूसुफ आदि शामिल रहे। सभी पदाधिकारियों ने इच्छुक हज आवेदकों से इन कैंपों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

विधिक सेवा कार्यक्रमों की समीक्षा, सदस्यों को दिया गया प्रशिक्षण

सवाई माधोपुर, 24 जून (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार बुधवार को एडीआर सेंटर में एलएसयूसी (चिल्ड्रन यूनिट) एवं एलएसयूएम (मनोन्याय यूनिट) के सदस्यों का एक दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव समीक्षा गौतम ने सदस्यों को उनकी कार्यप्रणाली समझाते हुए समाज के वंचित, जरूरतमंद बच्चों और मानसिक बीमार व्यक्तियों तक कानूनी सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। डिप्टी एलएडीसी वीरेन्द्र कुमार वर्मा ने भी इस संबंध में अपने विचार रखे। जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार पर बल इसके साथ ही पैनल अधिवक्ताओं और अधिकार मित्रों की एक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में सचिव समीक्षा गौतम ने राष्ट्रीय लोक अदालत, समाधान समारोह और नालसा-रालसा की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस मौके पर अभिभाषक संघ अध्यक्ष संदीप शर्मा, उप निदेशक मनोज कुमार गहलोत, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी सुरेन्द्र मीना, कृष्णपाल सिंह, मनीष तंवर, नंदकिशोर बैरवा और सुनीता जोनवाल सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि और अधिकार मित्र उपस्थित रहे।

एएमपी सेमिनार में गूंजी शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने की आवाज

कोटा/झालावाड़ (शब्बीर हुसैन/रॉयल पत्रिका)। एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (AMP) की ओर से झालावाड़ के गीतांजलि होटल में शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उत्थान के विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एएमपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आमिर इदरीसी और प्रदेश अध्यक्ष चांद मोहम्मद उपस्थित रहे, जिन्होंने युवाओं के कौशल विकास और आधुनिक शिक्षा पर जोर दिया।

गणमान्य जनों ने की शिरकत कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वाईजीएन एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन अरशद अंसारी रहे। एएमपी के कोटा संभाग अध्यक्ष सिराज अहमद अंसारी के नेतृत्व में आयोजित इस संगोष्ठी में झालावाड़ चैप्टर के पदाधिकारी हाजी मुमताज भाई, सोहेल भाई, कोटा हेड कमरुज्जमा भाई सहित कई बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। सेमिनार में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए समाजसेवियों और शिक्षाविदों ने समाज के पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए रोजगारोन्मुखी शिक्षा देने की बात कही।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अरुण जोशी का मुस्लिम समाज ने किया स्वागत

पाली (मोहम्मद यासीन/रॉयल पत्रिका)। आई एफ डब्ल्यू जे के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अरुण जोशी का मुस्लिम समाज के सदर व कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई ने माला पहनाकर भव्य स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। इस गरिमापूर्ण अवसर पर समाज के प्रबुद्ध जनों और पदाधिकारियों ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। स्वागत कार्यक्रम के दौरान पार्षद हाजी मेहबूब टी, मोहम्मद यासीन, बाबू भाई मोयल, रज्जाक चढ़वा और अजीज फौजदार सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे और सभी ने जोशी का मुंह मीठा करवाकर उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

दुकान के बाहर शराब पीने से टोका, तो पत्थर से सिर फोड़कर युवक की हत्या

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के सांगानेर सदर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए कुछ युवकों ने एक घर के बाहर जमकर उत्पात मचाया और बीच-बचाव करने गए एक युवक की पत्थर से सिर फोड़कर व डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। शराब पीने से टोकने पर भड़के बदमाश सांगानेर सदर थाना प्रभारी (SHO) अनिल जैमन ने बताया कि गोविन्दपुरा की शिक्षा सागर कॉलोनी निवासी संजू शर्मा (28) पुत्र कैलाश शर्मा पानी के टैंकर सप्लाई का काम करता था। मंगलवार रात पास के ही एक खेत में शादी का कार्यक्रम था, जहां आए 5-6 लड़के संजू के भाई की किराने की दुकान के बाहर बैठकर शराब पी रहे थे। संजू के परिवार ने जब उन्हें वहां से जाने को कहा, तो वे तैश में आ गए। समझाइश के बाद वे एक बार तो चले गए, लेकिन रात करीब 12:30 बजे अपने अन्य साथियों को हथियार और डंडों के साथ लेकर वापस लौटे। कैमरे तोड़े, घर पर किया पथराव मृतक के भाई मंगल शर्मा के अनुसार, हमलावरों ने आते ही कॉलोनी की लाइटें और सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए और घर पर पथराव शुरू कर दिया। जब संजू शर्मा उन्हें शांत कराने और समझाने के लिए बाहर निकला, तो बदमाशों ने उसे अकेला पाकर घेर लिया और डंडों व भारी पत्थरों से उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। संजू को बचाने दौड़े परिवार के अन्य लोगों पर भी बदमाशों ने हमला कर दिया, जिससे परिवार के चार सदस्य घायल हो गए। अस्पताल में तोड़ा दम, दो मासूम बच्चों के सिर से उठा साया संजू को लहूलुहान और अचेत स्थिति में छोड़कर हमलावर मौके से फरार हो गए। परिजन उसे तुरंत गंभीर हालत में सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह करीब 5:30 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संजू की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे 6 साल की बेटी और 3 साल का मासूम बेटा छोड़ गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर जांच शुरू कर दी है।

भागवत कथा के समापन पर उमड़ा जनसैलाब, 25 जून से सजेगा हरिकीर्तन दंगल

मंडावर/महवा (शफीक अली/रॉयल पत्रिका)। मंडावर उपखंड क्षेत्र के ग्राम ऊकरूंद में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण के बीच भव्य समापन हुआ। कथा के समापन अवसर पर गांव में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सुबह से ही श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। आसपास के दर्जनों गांवों सहित दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान गांव का माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक बना रहा। हरिकीर्तन दंगल में गूंजेंगे भक्ति के सुर आयोजन समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत कथा की इस धार्मिक श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए गांव में 25 एवं 26 जून को एक भव्य हरिकीर्तन दंगल का आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय बड़े धार्मिक आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाली अनेक प्रसिद्ध और लोकप्रिय कीर्तन पार्टियां भाग लेंगी। ये पार्टियां अपनी बेहतरीन संगीतमय प्रस्तुतियों और भजनों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगी। क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह ग्रामीणों ने बताया कि इस हरिकीर्तन दंगल को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कथा पंडाल और दंगल स्थल को विशेष रूप से सजाया गया है। आयोजन समिति, महिला मंडल और स्थानीय युवा कार्यकर्ताओं ने मुस्तैदी से व्यवस्थाएं संभाल रखी हैं। आयोजकों ने क्षेत्र के तमाम धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर धर्म लाभ उठाने की भावुक अपील की है।

जन औषधि केंद्र का उद्घाटन, बाजार से 90 फीसदी तक सस्ती मिलेंगी दवाइयां

मंडावर/महवा (शफीक अली/रॉयल पत्रिका)। मंडावर कस्बे के लोगों के लिए चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी राहत की खबर है। कस्बे के सरकारी अस्पताल के ठीक सामने प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का भव्य शुभारंभ शनिवार को किया गया। इस ऐतिहासिक उद्घाटन समारोह में डॉ. नरसी राम मीणा, अशोक नारेडा और रामकिशन सैनी सहित क्षेत्र के कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक विशेष रूप से मौजूद रहे। इलाज के खर्च में मिलेगी भारी राहत: डॉ. नरसी राम मीणा समारोह के दौरान अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. नरसी राम मीणा ने कहा कि महंगी दवाओं के भारी खर्च के कारण अक्सर गरीब और मध्यम वर्ग का परिवार सही समय पर इलाज नहीं करा पाता था। अब इस केंद्र के खुलने से आम नागरिकों को बाजार मूल्य की तुलना में 50% से लेकर 90% तक सस्ती दर पर दवाइयां मिलेंगी, जिससे मरीजों और उनके परिजनों का आर्थिक बोझ बेहद कम हो जाएगा। 2000 से अधिक प्रकार की दवाएं रहेंगी उपलब्ध केंद्र संचालकों ने बताया कि इस जन औषधि केंद्र पर बुखार, शुगर, बीपी, हार्ट, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों सहित 2000 से अधिक प्रकार की जेनरिक दवाइयां और सर्जिकल आइटम हर समय उपलब्ध रहेंगे। ये सभी दवाइयां डब्ल्यूएचओ (WHO-GMP) प्रमाणित कंपनियों द्वारा निर्मित हैं, जिनकी गुणवत्ता बड़ी से बड़ी ब्रांडेड दवाओं के बराबर होती है। उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों ने केंद्र का अवलोकन किया। इस दौरान क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

द योगा इंस्टीट्यूट ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जश्न देशभर में मनाया

मुंबई, एजेंसी। दुनिया का सबसे पुराना संगठित योग केंद्र और पिछले 107 वर्षों से समग्र स्वास्थ्य शिक्षा की अगुवाई करने वाले मुंबई के सांताक्रूज स्थित द योगा इंस्टीट्यूट (टीवाईआई) ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) को बड़े पैमाने और पूरे जोशो-खरोश के साथ मनाया। इस वर्ष की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग के अनुरूप, इस इंस्टीट्यूट ने सरकारी संस्थानों, रक्षा प्रतिष्ठानों, कॉरपोरेट दफ्तरों, शैक्षणिक परिसरों, हवाई अड्डों और वैश्विक डिजिटल मंचों के जरिए सैकड़ों कार्यक्रमों आयोजित कर लाखों लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की।मुंबई से चेन्नई, जयपुर से भुवनेश्वर तक आयोजित इन कार्यक्रमों ने हर उम्र और हर पेशे के लोगों के बीच स्वस्थ वृद्धावस्था का पैगाम पहुंचाया। साथ ही, स्वास्थ्य की देखभाल, मानसिक मजबूती और जागरूक जीवनशैली में योग की अहम भूमिका को भी उजागर किया। इस मौके पर डॉ. हंसाजी योगेंद्र ने कहा, फ्बुढ़ापा जीवन की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन शारीरिक और मानसिक गिरावट लाज़िमी नहीं है। योग के माध्यम से हम शरीर की ताकत, मन की स्पष्टता, भावनाओं का संतुलन और दिल की खुशी को बरकरार रख सकते हैं। स्वस्थ वृद्धावस्था का मतलब सिर्फ जीवन के वर्षों में इज़ाफ़ा करना नहीं, बल्कि हर साल में ऊर्जा, आत्मनिर्भरता और मकसद को शामिल करना है। 10 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच बनाने, एक लाख से अधिक प्रमाणित योग शिक्षकों को प्रशिक्षित करने तथा योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्त करने वाला द योगा इंस्टीट्यूट आज भी दुनिया भर में प्रामाणिक योग शिक्षा को बढ़ावा देते हुए लोगों को अधिक स्वस्थ और सार्थक जीवन जीने के लिए प्रेरित कर रहा है।

मप्र के विश्वविद्यालयों में मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम आयोजित होंगे

भोपाल। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मध्यप्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विश्वविद्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन एवं नशामुक्ति अभियान संचालित करने का अनुरोध प्रदेश के प्रसिद्ध डॉक्टर एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर के कार्य परिषद सदस्य डॉ. ए.के. द्विवेदी ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से किया गया था। डॉ. द्विवेदी ने बताया कि वर्तमान समय में युवाओं एवं विद्यार्थियों के मध्य मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएँ तथा नशे की प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक एवं शैक्षणिक चुनौती के रुप में उभर रही है। यह स्थिति न केवल उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर रही है।

25 जून के बाद बढ़ सकती है परेशानी!

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर इस सप्ताह आपको बैंक से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण काम करना है, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। नकदी निकालना, चेक जमा करना, डिमांड ड्रॉफ्ट बनवाना या किसी अन्य बैंक शाखा से संबंधित काम को टालना महंगा पड़ सकता है, क्योंकि इस सप्ताह के अंत में देश के कई हिस्सों में बैंक लगातार तीन दिनों तक बंद रहने वाले हैं। ऐसे में ग्राहकों को सलाह दी जा रही है कि वे अपने सभी जरूरी बैंकिंग काम पहले ही पूरा कर लें, ताकि बाद में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि 22 जून से 25 जून तक बैंक सामान्य रूप से खुले रहेंगे। इन दिनों सरकारी और निजी दोनों बैंक अपनी नियमित सेवाएं देते रहेंगे और ग्राहक बिना किसी रुकावट के अपने काम निपटा सकेंगे। लेकिन, 26 जून से शुरू होने वाला लंबा अवकाश बैंकिंग सेवाओं को प्रभावित कर सकता है। दरअसल, 26 जून को मुहर्रम के अवसर पर कई राज्यों और शहरों में बैंक बंद रहेंगे। यह अवकाश पूरे देश में लागू नहीं होगा, बल्कि चुनिंदा राज्यों और शहरों में रहेगा। इसलिए ग्राहकों को सलाह दी जाती है

भारत बिल्डकॉन 2026 ने कराया 400 करोड़ से अधिक का कारोबार

बिल्डिंग मैटेरियल्स उद्योग के लिए भारत का सबसे बड़ा वैश्विक मंच बनकर उभरा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिल्डिंग मैटेरियल्स, निर्माण और अवसंरचना क्षेत्रों की भारत की प्रमुख प्रदर्शनी भारत बिल्डकॉन 2026 का समापन नई दिल्ली के यशोभूमि में शानदार सफलता के साथ हुआ। इस आयोजन ने एक बार फिर वैश्विक विनिर्माण और सोर्सिंग हब के रूप में भारत की मजबूत स्थिति को स्थापित किया। चार दिवसीय इस आयोजन में दुनिया भर से 40,000 से अधिक आगंतुकों, प्रतिनिधियों और खरीदारों ने भाग लिया, जिससे भारतीय निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लिए अभूतपूर्व व्यावसायिक अवसर सृजित हुए। 30 से अधिक देशों और भारत के 100 से अधिक शहरों से आए प्रतिभागियों की उपस्थिति के साथ भारत बिल्डकॉन 2026 ने बिल्डिंग मैटेरियल्स उद्योग के लिए देश के वन नेशन, वन एक्सपो प्लेटफॉर्म बनने के अपने विज़न को सफलतापूर्वक साकार किया। प्रदर्शनी के दौरान 400 करोड़ से अधिक के व्यावसायिक लेन-देन हुए तथा 8,000 से अधिक उच्च-क्षमता वाले बिजनेस लीड्स प्राप्त हुए, जिनके आने वाले महीनों में बड़े व्यावसायिक समझौतों में परिवर्तित होने की उम्मीद है।

निर्माताओं, निर्यातकों, आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स, डेवलपर्स, ठेकेदारों, वितरकों, रिटेलर्स और वैश्विक खरीदारों को एक ही छत के नीचे लाकर भारत बिल्डकॉन 2026 ने एक अनूठा व्यापारिक मंच तैयार किया, जिसने भारतीय उद्योगों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ा। प्रदर्शनी में सिरेमिक्स, सैनिटरीवेयर, टाइल्स, नेचुरल स्टोन, लैमिनेट्स, पेंट्स, हार्डवेयर, निर्माण सामग्री और संबद्ध क्षेत्रों में भारत की विनिर्माण क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। इस संस्करण की एक प्रमुख विशेषता मजबूत अंतरराष्ट्रीय भागीदारी रही, जिसने भारतीय कंपनियों–विशेषकर एमएसएमई और उभरते निर्माताओं–को वैश्विक बाजारों तक सीधी पहुंच प्रदान की। एक्सपो ने भारतीय ब्रांड्स को विभिन्न देशों के खरीदारों, वितरकों और सोर्सिंग साझेदारों के साथ संवाद स्थापित करने का अवसर दिया, जिससे उन्हें निर्यात संभावनाओं का पता लगाने और अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति मजबूत करने में मदद मिली। कार्यक्रम की सफलता पर भारत बिल्डकॉन के निदेशक श्री विशाल आचार्य ने कहा, भारत बिल्डकॉन 2026 की सफलता केवल प्रदर्शनी के दौरान हुए कारोबार तक सीमित नहीं है। इस संस्करण की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक उद्योग जगत के अग्रणी नेताओं, सरकारी विभागों और वैश्विक खरीदारों को एक ही मंच पर लाना रहा। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग , गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जरूर), वाणिज्य विभाग, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा विभिन्न एमएसएमई हितधारकों जैसी प्रमुख संस्थाओं और विभागों की सक्रिय भागीदारी ने सहयोग, ज्ञान-साझाकरण और व्यावसायिक विकास के लिए सार्थक अवसर पैदा किए।

इंटरियो बाई गोदरेज ने वित्त वर्ष 2025-26 में 4,000 करोड़ का राजस्व दर्ज किया; वित्त वर्ष 2026-27 में 25 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

interio by Godrej

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रमुख फर्नीचर ब्रांड, इंटरियो बाई गोदरेज ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ?4,000 करोड़ का राजस्व (रेवेन्यू) दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि है। इस साल के दौरान कंपनी ने 100 नए शहरों में अपनी मौजूदगी बढ़ाई, जबकि नए उत्पादों की बिक्री का कुल बिजनेस में 22 प्रतिशत योगदान रहा। लगातार रिटेल विस्तार, बाजार में गहरी पहुंच, ऑनलाइन बिक्री में बढ़ोतरी और फर्नीचर की नई कैटेगरी शुरू करने के दम पर इंटरियो ने वित्त वर्ष 2026-27 में अपने राजस्व को 25 प्रतिशत बढ़ाने की योजना बनाई है। कंपनी का इरादा वित्त वर्ष 27 के दौरान 102 नए स्टोर खोलने का भी है, जिसमें उत्तर और पूर्वी भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस प्रदर्शन और भविष्य के नजरिए पर बात करते हुए इंटरियो बाई गोदरेज के बिजनेस हेड और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, स्वप्नील नगरकर ने कहा, भारतीय फर्नीचर उद्योग बदलाव के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां ग्राहकों की उम्मीदें केवल उपयोगिता से बढ़कर डिजाइन, लचीलेपन (फ्लेक्सिबिलिटी), टेक्नोलॉजी और ओवरऑल लिविंग एक्सपीरियंस (रहने के अनुभव) की तरफ बढ़ रही हैं। भारतीय फर्नीचर बाजार 2031 तक बढ़कर 45.52 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है। आज के आधुनिक भारतीय घर अधिक अनुकूल, बहुउद्देशीय (मल्टीफंक्शनल) और निजी जीवनशैली को दर्शाने वाले बन रहे हैं। यह बात ग्राहकों द्वारा फर्नीचर के लुक, उपयोगिता, मजबूती और सुविधा को परखने के तरीके को प्रभावित कर रही है।

आदित्य बिड़ला ग्रुप ने ऐतिहासिक इंडियन नेशनल थियेटर को दिया नया रूप

मुंबई, एजेंसी। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने आईएनटी आदित्य बिड़ला परफॉर्मिंग आर्ट्स एकेडमी की शुरुआत की है, जिससे भारत के सबसे पुराने और प्रसिद्ध सांस्कृतिक संस्थानों में से एक को नया रूप और नया उद्देश्य मिला है। यह इंडियन नेशनल थियेटर (आईएनटी) के लिए एक नई शुरुआत है। इस संस्था ने देश की आजादी के पहले से लेकर आज तक कलाकारों और दर्शकों की कई पीढ़ियों को तैयार किया है। राजश्री बिड़ला ने, आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन श्री कुमार मंगलम बिड़ला, श्रीमती नीरजा बिड़ला, सुश्री अनन्या बिड़ला और श्री आर्यमन विक्रम बिड़ला की गरिमामयी उपस्थिति में किया। यह पहल आदित्य बिड़ला समूह के इतिहास की एक खास विशेषता को दर्शाती है- ऐसे संस्थानों का निर्माण करना जो दीर्घकालिक विकासात्मक संपत्ति बन जाते हैं। समूह ने पीढ़ियों से स्कूलों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, अनुसंधान केंद्रों, सांस्कृतिक संस्थानों और सामुदायिक मंचों के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण में निवेश किया है। आईएनटी का यह नया रूप उसी विरासत को आगे बढ़ाता है, जिससे एक ऐसा स्थान तैयार होगा जहाँ भारत की कलात्मक परंपराओं को भावी पीढ़ियों

के लिए संरक्षित, सराहा और नए रूप में प्रस्तुत किया जा सके। यह एकेडमी केवल एक परफॉर्मिंग आर्ट्स केंद्र नहीं है, बल्कि इसे कलात्मक उत्कृष्टता के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में परिकल्पित किया गया है। यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़े नवाचार और प्रयोगों को बढ़ावा देने के साथ-साथ थिएटर, संगीत और नृत्य के क्षेत्रों में प्रतिभाओं को निखारेगा। लॉन्च के अवसर पर, श्रीमती राजश्री बिड़ला ने कहा, आईएनटी आदित्य बिड़ला परफॉर्मिंग आर्ट्स एकेडमी, भारत की शानदार कला और संस्कृति को हमारा सलाम है। यह उन अनगिनत लोगों के प्रति सम्मान है, जिन्होंने सालों से हमारी परंपराओं को जिंदा रखा है। यह एकेडमी श्री आदित्य विक्रम बिड़ला की इस सोच को पूरा करती है कि कला, कल्पना और संस्कृति एक अच्छे समाज के लिए बहुत ज़रूरी हैं। हम एक ऐसा संस्थान बनाना चाहते हैं जो हमारी पुरानी और पारंपरिक कलाओं का आदर करे, नए ज़माने की सोच को भी अपनाए और नए कलाकारों को आगे बढ़ने के मौके दे। सबसे बढ़कर, हम उम्मीद करते हैं कि यह एक ऐसा देशव्यापी मंच बने जहाँ भारत के अलग-अलग कोनों से लोग एक साथ आ सकें, एक-दूसरे से सीख सकें और देश में कला के भविष्य को बेहतर बना सकें।एकेडमी की सलाहकार परिषद में भारतीय परफॉर्मिंग आर्ट्स के कुछ सबसे प्रतिष्ठित नाम शामिल हैं, जिनमें उस्ताद अमजद अली खान, डॉ. एन. राजम, शंकर महादेवन, उल्हास कशालकर, अरुणा साईराम, लालगुड़ी जीजेआर कृष्णन, लुइस बैंक्स, बेला सहगल, यू. राजेश, सिद्धार्थ रॉय कपूर, रजित कपूर, टेरेंस लुईस और क्लिंट वलादारेस शामिल हैं, जिनमें से कई लोग इस लॉन्च में शामिल हुए।

3,400 से ज़्यादा गाड़ियों के ऑर्डर के साथ ईसीवी मार्केट में अपनी लीडरशिप मज़बूत की

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता और सभी प्रकार के मोबिलिटी समाधान उपलब्धथ कराने वाली कंपनी टाटा मोटर्स ने आज घोषणा की है कि उसे विभिन्न श्रेणियों में 3,400 से अधिक इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों के ऑर्डर मिले हैं। यह ऑर्डर भारत में माल ढुलाई और यात्री परिवहन दोनों के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को मुख्यधारा में बड़े पैमाने पर अपनाए जाने के लिहाज से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्राप्त ऑर्डर्स में लगभग 2,000 छोटे कमर्शियल वाहन और पिक-अप, करीब 900 ट्रक और 500 बसें शामिल हैं। इन वाहनों को ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, एफएमसीजी और एफएमसीडी डिस्ट्रीब्यूशन, शहरों के भीतर आवाजाही से लेकर सीमेंट, स्टील, माइनिंग और रनवे (टारमैक) ऑपरेशंस जैसे कड़े व्यावसायिक क्षेत्रों के साथ-साथ इंटर सिटी व इंटर स्टे ट यात्री परिवहन के काम में लगाया जाएगा। विभिन्न उद्योगों में इन वाहनों का व्यापक उपयोग वास्तविक परिचालन परिस्थितियों में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों पर ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है और भारत के शून्य-उत्सर्जन कमर्शियल मोबिलिटी एजेंडे को आगे बढ़ाने में टाटा मोटर्स के नेतृत्व को और सुदृढ़ करता है। यह इस बात का भी स्पष्ट संकेत है कि इलेक्ट्रिक वाहन अब केवल शुरुआती प्रायोगिक परियोजनाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विभिन्न व्यवसायों के नियमित और बड़े पैमाने के कामकाज का हिस्सा बन रहे हैं। भारत में कमर्शियल वाहनों के क्षेत्र में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अब शुरुआती दौर से निकलकर बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की ओर बढ़ रही है, कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो और एक मजबूत सहयोगी इकोसिस्टम के साथ इस बदलाव का नेतृत्व कर रही है, जो इलेक्ट्रिफिकेशन को व्यावहारिक और लाभदायक दोनों बनाता है। केवल वाहन बेचने से आगे बढ़कर, कंपनी प्रदर्शन, वाहनों के अपटाइम, चार्जिंग और फाइनेंसिंग को वाहन के पूरे जीवनकाल में बेहतर बनाने के लिए फ्लीट मालिकों और ग्राहकों के साथ मिलकर काम कर रही है।

फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने बोनस की घोषणा की

मुंबई , एजेंसी। भारत की प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एजियस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 202.80 करोड़ के अपने वार्षिक बोनस की घोषणा की है। यह महत्वपूर्ण पड़ाव कंपनी द्वारा लगातार 12वें वर्ष बोनस घोषणा को दर्शाता है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। यह पॉलिसीधारकों को लगातार बेहतर मूल्य (वैल्यू) देने की कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। पिछले तीन वर्षों में 32 प्रतिशत की मजबूत सीएजीआरको दर्शाते हुए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी की इस बोनस घोषणा से 1,40,651 पार्टिसिपेटिंग (मुनाफे में हिस्सेदार) पॉलिसीधारकों को लाभ होगा।

ageas life FEDERAL

Har Wada Mumkin

अपने मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड को आगे बढ़ाते हुए, कंपनी ने अपने अनुशासित निवेश दृष्टिकोण और समझदारी भरे फंड प्रबंधन के दम पर, पार्टिसिपेटिंग प्रोडक्ट्स में रिवर्शनरी बोनस दरों को बढ़ाया है, साथ ही चुनिंदा प्लान्स के लिए कैश बोनस दरों में भी संशोधन किया है। घोषित किए गए बोनस में रिवर्शनेरी बोनस, कैश बोनस और टर्मिनल बोनस शामिल हैं, जो पारंपरिक और आधुनिक पार्टिसिपेटिंग प्लान्स की एक विस्तृत श्रृंखला पर लागू होते हैं।

वित्त वर्ष 2025ङ्क26 के लिए कई उत्पादों में रिवर्शनरी बोनस की दरों को बढ़ाया गया है। बचत-आधारित योजनाओं में, उत्पाद की विशेषताओं और पॉलिसी अवधि के आधार पर बोनस की दर गारंटीड सम एश्योर्ड का अधिकतम 11.90 प्रतिशत और सम एश्योर्ड का अधिकतम 6.50 प्रतिशत तक होगी।

इसके अलावा, सुपर कैश प्लान के तहत कैश बोनस की दरों में भी संशोधन किया गया है। प्रीमियम भुगतान अवधि के आधार पर यह दर मैच्योरिटी सम एश्योर्ड का अधिकतम 2.00 प्रतिशत तक होगी। इन सुधारों का उद्देश्य पॉलिसी अवधि के दौरान बेहतर नकदी उपलब्धता और नियमित आय सुनिश्चित करना है।

सतना सीमेंट वर्क्स एवं आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर यूनिट में हुआ आयोजन

सतना। बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड की इकाई सतना सीमेंट वर्क्स एवं आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर यूनिट में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। सतना सीमेंट वर्क्स में कार्यक्रम का आयोजन एचआर क्लस्टर हेड श्री प्रदीप सिंह बघेल के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर यूनिट हेड श्री कौशल मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विभागाध्यक्षों, कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों एवं श्रमिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर यूनिट में कार्यक्रम का नेतृत्व यूएच डीके पटेल द्वारा किया गया, जिनके मार्गदर्शन में कर्मचारियों ने योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। योग के माध्यम से अनुशासन, एकाग्रता, तनाव प्रबंधन एवं सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर श्री कौशल मिश्रा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन अपनाने का आह्वान किया। योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

सुमीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने रू. 199.75 करोड़ के राइट्स इश्यू की घोषणा की

सूरत, एजेंसी। सुमीत इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड जो पीईटी चिप्स, पार्टियली ओरिएंटेड यार्न , फुली ड्रॉन यार्न और पॉलिएस्टर टेक्सचराइज्ड यार्न का उत्पादन करने वाली अग्रणी एकीकृत पॉलिएस्टर निर्माता कंपनी है, ने अपने पात्र शेयरधारकों के लिए राइट्स इश्यू की घोषणा की है। इसका उद्देश्य कंपनी की वित्तीय लचीलापन बढ़ाना और रणनीतिक कारोबारी प्राथमिकताओं को समर्थन देना है।

राइट्स इश्यू का विवरण

सुमीत इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 16.84 करोड़ पूर्णतः चुकता इक्विटी शेयर जारी कर कुल 199.75 करोड़ के राइट्स इश्यू की शर्तों को मंजूरी दे दी है। कंपनी राइट्स इश्यू से प्राप्त राशि में से 49.00 करोड़ का उपयोग गुजरात के सूरत में नाकोडा लिमिटेड से अधिग्रहित अतिरिक्त 1,40,000 टन प्रति वर्ष क्षमता वाले पॉलिएस्टर चिप्स प्लांट के अधिग्रहण और संचालन शुरू करने के लिए करेगी।इस परियोजना की कुल लागत 90.00 करोड़ है, जिसमें शेष 41.00 करोड़ की व्यवस्था कंपनी अपने आंतरिक संसाधनों (इंटरनल एक्रूअल्स) से करेगी।वित्त वर्ष 2027-28 की पहली तिमाही में इस संयंत्र के पुनः संचालन शुरू होने की उम्मीद है। इसके शुरू होने से कंपनी का बैकवर्ड इंटीग्रेशन मजबूत होगा और उसके डाउनस्ट्रीम पॉलिएस्टर विनिर्माण कारोबार को भी समर्थन मिलेगा। राइट्स इश्यू से प्राप्त राशि का प्रस्तावित उपयोग (194.90 करोड़) कार्यशील पूंजी को मजबूत करने, उत्पादन क्षमता बढ़ाने और कच्चे माल की सुचारु खरीद सुनिश्चित करने के लिए। नाकोडा परिसंपत्तियों का एकीकरण (49.90 करोड़) नाकोडा लिमिटेड से अधिग्रहित परिसंपत्तियों के एकीकरण, संचालन और क्षमता विस्तार के लिए।

कर्ज़ का भुगतान (23.00 करोड़)

मौजूदा ऋण का अग्रिम भुगतान कर वित्तीय लागत कम करने और कंपनी की बैलेंस शीट को मजबूत करने के लिए। कैप्टिव सोलर पावर प्लांट स्थापित कर ऊर्जा लागत कम करने तथा दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता बढ़ाने के लिए। कंपनी की पूंजी आवंटन रणनीति चार प्रमुख स्तंभों–विनिर्माण क्षमता विस्तार, परिसंपत्तियों का एकीकरण, बैलेंस शीट को मजबूत करना और ऊर्जा सुरक्षा–पर आधारित है। इन पहलों से परिचालन क्षमता और संसाधन दक्षता में सुधार होगा तथा कंपनी के दीर्घकालिक विकास को मजबूती मिलेगी। राइट्स इश्यू से जुटाई गई पूंजी के माध्यम से सुमीत इंडस्ट्रीज़ कार्यशील पूंजी को सुदृढ़ करेगी, अधिग्रहित विनिर्माण परिसंपत्तियों के एकीकरण में तेजी लाएगी, कर्ज़ कम कर पूंजी संरचना को बेहतर बनाएगी और कैप्टिव सौर ऊर्जा संयंत्र के जरिए ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाएगी। इन पहलों से परिचालन दक्षता और विनिर्माण क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। सुमीत इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री प्रतीक आर. जाजू ने कहा, +यह राइट्स इश्यू सुमीत इंडस्ट्रीज़ की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और कंपनी की परिचालन एवं वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डेल्हिवरी ने फ्रंटलाईन वर्कर्स के लिए भारत का सबसे विस्तृत वैलफेयर प्रोग्राम 'अभयम' शुरू किया

बैंगलुरू, एजेंसी। डेल्हिवरी ने देश में अपनी लगभग 1 लाख फ्रंटलाईन वर्कफोर्स के सदस्यों के लिए डेल्हिवरी का सबसे विस्तृत बेनेफिट प्रोग्राम अभयम शुरू किया है। यह प्रोग्राम इन-फेसिलिटी एसोसिएट्स और लास्ट-माईल राईडर्स के लिए है। यह प्रोग्राम कंपनी की 15वीं वर्षगाँठ के अवसर पर 22 जून, 2026 को शुरू किया गया था। अभयम के अंतर्गत 15 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, फैमिली हैल्थ कवर, बच्चों की स्कॉलरशिप और करियर के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

15 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, हॉस्पिटल में भर्ती होने पर आय की सुरक्षा और दवाईयों पर छूट।

सिक्योरिटी: पत्नी और 2 बच्चों के लिए हैल्थ कवर, व्यक्तिगत लोन, स्कूल के लिए स्कॉलरशिप और पत्नी एवं बेटियों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण की

आसान उपलब्धता।

डेवलपमेंट: एनपीएस स्कीम की उपलब्धता, उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहयोग, और वित्तीय मजबूती के लिए कमाए गए वेतन की आसान उपलब्धता। डेल्हिवरी के एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर एवं चीफ एचआर ऑफिसर, सूरज सहारन ने कहा, ''हमारे फ्रंटलाईन वर्कर्स ने पिछले 15 सालों में 5 बिलियन से अधिक शिपमेंट पहुँचाए हैं। शुरुआत की है। हमारा मानना है कि यह भारत में सबसे अच्छा प्रोग्राम है। यह हमारे कर्मचारियों को सबसे बेहतर सेवा प्रदान करने में समर्थ बनाएगा। साथ ही, इसकी मदद से उनके स्वास्थ्य एवं परिवार को भी सुरक्षा मिलेगी।'' फ्रंटलाईन वर्कर भारत की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसके बाद भी वो सबसे अधिक वित्तीय जोखिमों के अधीन रहते हैं क्योंकि एक बार हॉस्पिटल में भर्ती होने पर उनकी महीनों की कमाई चली जाती है। अभयम विस्तृत सपोर्ट फ्रेमवर्क की मदद से इस जोखिम को दूर कर रहा है। यह उन्हें दुर्घटना का कवरेज, स्वास्थ्य बीमा और आय की सुरक्षा प्रदान कर रहा है, ताकि सड़क पर कोई भी अप्रत्याशित दुर्घटना होने पर वो वित्तीय संकट में न आएं। यह प्रोग्राम सुरक्षा प्रदान करने के अलावा परिवारों के लिए बेनेफिट्स भी पेश कर रहा है। परिवार की सुरक्षा फ्रंटलाईन वर्कर की सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए फ्रंटलाईन वर्कर्स के बच्चों के लिए स्कॉलरशिप, पत्नी के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण और उन्हें औपचारिक क्रेडिट उपलब्ध होने से अनौपचारिक कर्जदाताओं पर उनकी निर्भरता कम होगी।

एकता कपूर ने प्रियंका चाहर की तारीफ की

अभिनेत्री ने 'नागिन 7' के सफर को कहा अलविदा

अलौकिक (सुपरनैचुरल) शो 'नागिन' के सातवें सीजन के समाप्त होने के बाद प्रियंका चाहर चौधरी ने शो को अलविदा कहते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। इस अवसर पर उन्हें टीवी जगत की 'जारिना' कही जाने वाली एकता कपूर से खूब सराहना मिली। एकता ने कहा कि वह प्रियंका के साथ फिर से काम करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। इस सफर को 'अविस्मरणीय यात्रा' करार देते हुए प्रियंका ने सबसे पहले इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी दिन की एक झलक साझा की और लिखा, 'और इसी के साथ, आज रात एक अविस्मरणीय यात्रा का अंत हो रहा है... नागिन 7। 'अभिनेत्री ने कहा कि इस शो ने उन्हें केवल यादें ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक दिया है। उन्होंने लिखा, 'इस शो ने मुझे सिर्फ यादों से कहीं ज्यादा दिया है- इसने मुझे खूबसूरत लोग, जीवनभर के रिश्ते और मेरे शिवजी के साथ और भी गहरा जुड़ाव दिया। महादेव से इतनी गहराई से जुड़ी कहानी का हिस्सा बनने से मेरा विश्वास और मजबूत हुआ है, और मैं हर दिन अपने जीवन में उनके प्रेम और उपस्थिति को महसूस करती हूं। यह रिश्ता हमेशा के लिए है और अटूट है। 'प्रियंका ने आगे कहा, 'मैं हमेशा आभारी रहूंगी। इस अद्भुत यात्रा को जीने का मंच देने के लिए कलर्स टीवी और बालाजी टेलीफिल्मस लिमिटेड का दिल से धन्यवाद। उन्होंने लिखा, 'और दर्शकों, आपके असीम प्यार और नागिन 7 को शुरुआत से लेकर अंत तक नंबर-1 शो बनाने के लिए धन्यवाद। यह प्यार मेरे लिए सब कुछ है। शो समाप्त हो सकता है, लेकिन इसकी यादें हमेशा बनी रहेंगी... और एक बात निश्चित है- नागिन की विरासत हमेशा जारी रहेगी। हमेशा आभारी। हमेशा धन्य। हर हर महादेव। 'प्रियंका की बात करें तो उन्हें 'उड़ारियां' में तेजो कौर संधू का किरदार निभाने के बाद बड़ी लोकप्रियता मिली। 'बिग बॉस 16' में भी उनके व्यक्तित्व को दर्शकों ने खूब पसंद किया और वह शो की दूसरी रनर-अप रहीं। वर्ष 2016 में उन्होंने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया, जिनमें 'हंजू', 'मैं बेवफा' और 'ऑनलाइन' शामिल हैं।

दिलजीत दोसांझ के लाइव कॉन्सर्ट में सुरक्षा में बड़ी चूक

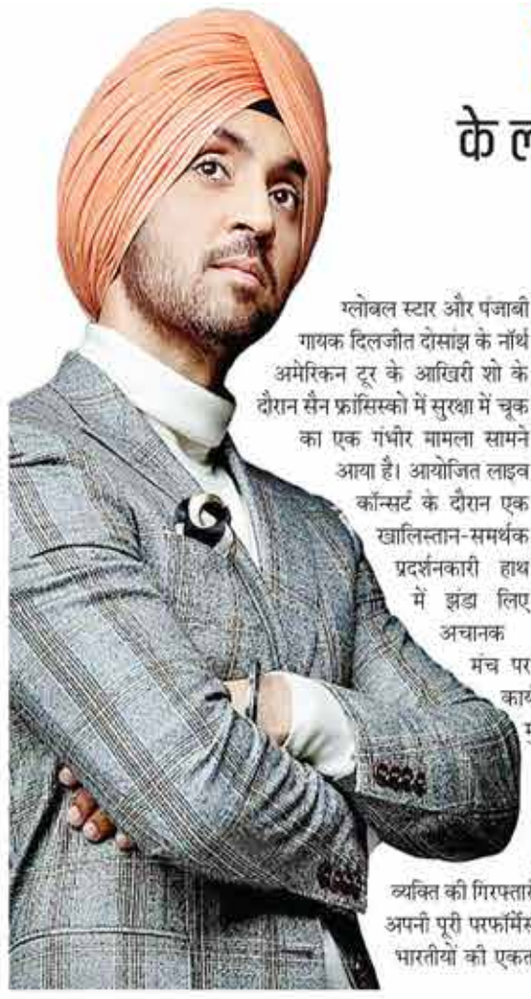

मंच पर चढ़े खालिस्तान-समर्थक, प्रदर्शनकारी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्लोबल स्टार और पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के नॉर्थ अमेरिकन टूर के आखिरी शो के दौरान सैन फ्रांसिस्को में सुरक्षा में चूक का एक गंभीर मामला सामने आया है। आयोजित लाइव कॉन्सर्ट के दौरान एक खालिस्तान-समर्थक प्रदर्शनकारी हाथ में झंडा लिए अचानक मंच पर चढ़ गया, जिससे कुछ देर के लिए कार्यक्रम में अफरातफरी मच गई। हालांकि, मुस्तैद सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारी को काबू में किया और हिरासत में ले लिया। घटना के दौरान दिलजीत ने अपनी परफॉर्मेंस जारी रखी और उस व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद अपना डांस फिर से शुरू किया। अपनी पूरी परफॉर्मेंस के दौरान उन्होंने मनोरंजन और प्रवासी भारतीयों की एकता पर ध्यान केंद्रित किया।

अंशुला कपूर की प्री-वेडिंग तस्वीरें आईं सामने

बॉलीवुड के प्रतिष्ठित कपूर परिवार में जल्द ही शहनाइयां गूंजने वाली हैं। फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बड़ी बेटी अंशुला कपूर अपने मंगेतर रोहन ठक्कर के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। शादी से पहले शुरू हुई प्री-वेडिंग रस्मों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिनमें कपूर परिवार का खास अंदाज देखने को मिला। इन तस्वीरों ने प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। अभिनेत्री शनाया कपूर द्वारा साझा की गई तस्वीरों में अंशुला और रोहन पारंपरिक अंदाज में पूजा-अर्चना करते नजर आ रहे हैं। समारोह के दौरान दोनों ने भगवान की आरती कर अपने नए जीवन की शुरुआत के लिए आशीर्वाद लिया। इस खास मौके पर अर्जुन कपूर बड़े भाई की भूमिका निभाते हुए समारोह में सक्रिय नजर आए। वहीं जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर भी परिवार के साथ खुशी के इस अवसर का जश्न मनाती दिखाई दीं। संजय कपूर और महीप कपूर समेत कपूर परिवार के कई सदस्य इस समारोह में शामिल हुए और होने वाले दूल्हा-दुल्हन को शुभकामनाएं दीं। अंशुला और रोहन की प्रेम कहानी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों की मुलाकात वर्ष 2022 में एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया और अक्टूबर 2025 में सगाई कर ली। अंशुला ने अपनी सगाई की घोषणा करते हुए बताया था कि रोहन ने उनके पसंदीदा शहर में स्थित सेंट्रल पार्क के पास एक महल के सामने देर रात उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था। अब दोनों जल्द ही अपने रिश्ते को नया नाम देने जा रहे हैं, जिसका इंतजार परिवार और प्रशंसकों को बेसब्री से है।

अमरीश पुरी ने अपनी बुलंद आवाज और रौबदार व्यक्तित्व के बल पर खलनायकी को दी नई पहचान

हिंदी सिनेमा में अमरीश पुरी ऐसे अभिनेता के रूप में याद किए जाते हैं, जिन्होंने अपनी बुलंद आवाज, रौबदार व्यक्तित्व और दमदार अभिनय के बल पर खलनायकी को नई पहचान दी। 'मोगैम्बो' जैसे कालजयी किरदार को जीवंत करने वाले अमरीश पुरी ने चार दशक से अधिक लंबे फिल्मी सफर में यह साबित किया कि एक खलनायक भी नायक जितना लोकप्रिय और दर्शकों के दिलों में अमर हो सकता है। उन्होंने श्रम मंत्रालय में नौकरी करते हुए प्रसिद्ध रंगकर्मी सत्यदेव दुबे के निर्देशन में नाटकों में अभिनय किया। बाद में पृथ्वी थिएटर से जुड़कर उन्होंने अपनी अभिनय प्रतिभा को और निखारा। शुरुआती दौर में उन्हें फिल्मों में संघर्ष करना पड़ा और उनका पहला स्क्रीन टेस्ट भी असफल रहा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। रंगमंच के दिनों में अमरीश पुरी की प्रतिभा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक नाटक देखने के बाद प्रसिद्ध फिल्मकार और अभिनेता राज कपूर स्वयं मंच पर पहुंचे और उन्हें गले लगाते हुए कहा था, 'अमरीश, एक दिन तुम फिल्म इंडस्ट्री की शान बनोगे।' बाद के वर्षों में यह भविष्यवाणी पूरी तरह सच साबित हुई और अमरीश पुरी भारतीय सिनेमा के सबसे सम्मानित कलाकारों में शामिल हो गए। वर्ष 1971 में फिल्म 'रेशमा और शेरा' से उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। हालांकि शुरुआती फिल्मों से उन्हें विशेष पहचान नहीं मिली, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपनी अलग जगह बना ली। 'मंथन', 'भूमिका', 'कलयुग', 'मंडी' और 'अर्द्धसत्य' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों को प्रभावित किया। विशेष रूप से 'अर्द्धसत्य' में निभाया गया उनका किरदार आज भी याद किया जाता है। हालांकि अमरीश पुरी को खलनायक के रूप में सबसे अधिक प्रसिद्धि मिली, लेकिन उन्होंने कई फिल्मों में सकारात्मक और चरित्र भूमिकाएं भी निभाईं। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'घातक', 'विरासत', परदेस और 'ताल' जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने बहुआयामी अभिनय का परिचय दिया। पिता, मुखिया और संरक्षक जैसे किरदारों में भी उन्होंने दर्शकों का दिल जीता। अपने शानदार अभिनय के लिए अमरीश पुरी को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्हें 'मेरी जंग', 'घातक' और 'विरासत' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। लगभग चार दशक लंबे फिल्मी सफर में 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय करने वाले अमरीश पुरी ने यह साबित किया कि किसी कलाकार की पहचान केवल उसके किरदारों से नहीं, बल्कि उन्हें निभाने के अंदाज से बनती है। 12 जनवरी 2005 को उनके निधन के साथ हिंदी सिनेमा के एक स्वर्णिम अध्याय का अंत हो गया, लेकिन 'मोगैम्बो' से लेकर उनके अन्य यादगार किरदार आज भी भारतीय सिनेमा प्रेमियों की स्मृतियों में जीवित हैं।

क्या फिर परवान चढ़ा तमन्ना और विजय का इश्क?

हाल ही में विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया की वीडियो वायरल हो रही। इस वीडियों में दोनों को एक साथ देखा जा रहा है। असल में दो साल तक दोनों ने एक-दूसरे को डेट किया था। इसके बाद विजय और तमन्ना कथित रुप पर मार्च 2025 में अलग होने का फैसला किया। वहीं, ब्रेकअप के काफी समय के बाद उनका और तमन्ना का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन चुका है। इस समय एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें विजय और तमन्ना दोनों साथ में नजर आ रहे हैं और दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ रखा है। वीडियो में दोनों काफी खुश भी नजर आ रहे हैं। जबसे सोशल मीडिया पर यह वीडियो आई, तब से चर्चा का विषय बन चुकी है। लेकिन अभी तक इस मामले में दोनों का कोई बयान नहीं आया। वीडियो को देखकर उत्साहित फैंस ने कमेंट बॉक्स में कमेंट्स की बाढ़ ला दी है। ऐसे में कुछ फैंस उनके साथ होने पर सवाल कर रहे हैं, तो कुछ लोग खुशी है कि दोनों साथ आ जाएं। कई फैंस ने प्यार भरे इमोजी साझा किए हैं।

'अल्फा' के प्रमोशन के दौरान आलिया भट्ट ने इस एथलीट को गिफ्ट किया मोतीचूर लड्डू का डिब्बा, लोगों का खींचा ध्यान

अभिनेत्री आलिया भट्ट फिल्म 'अल्फा' में अपनी एक्शन अवतार को लेकर जमकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसके ट्रेलर को लोगों ने काफी पसंद किया। फिलहाल, वह फिल्म के प्रमोशन में जुटी हैं। इस बीच उन्होंने भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह संग बातचीत की और मोतीचूर लड्डू का डिब्बा गिफ्ट किया। बातचीत के दौरान आलिया ने गुरिंदरवीर से पूछा कि उन्होंने भारत के सबसे तेज एथलीट बनने का फैसला कब लिया। इस पर गुरिंदरवीर ने अपने बचपन की यादें साझा कीं और कहा, 'बचपन में मैं अपने पिता की ट्रॉफियां और मेडल साफ किया करता था। उनकी एक फोटो भी थी, जिसमें वह जंप कर रहे हैं और वॉलीबॉल खेल रहे हैं। फिर मैंने उसैन बोल्ट का वर्ल्ड रिकॉर्ड देखा, जिसके बाद मैंने एथलीट बनने की ठान ली।' उन्होंने कहा, ''लोगों ने मुझे बताया कि इस क्षेत्र में बहुत मेहनत लगती है और आसान नहीं है, लेकिन मैंने तय किया कि मैं इसके लिए कड़ी तैयारी करूंगा।''गुरिंदरवीर ने बताया, 'मेरे पिता पहले वॉलीबॉल खेलते थे, लेकिन एक चोट के कारण उन्हें खेल छोड़ना पड़ा। वह अक्सर कहा करते थे–'अगर मैं खेलना जारी रखता तो आज मेरी जिंदगी कुछ और होती।' पिता के इस अधूरे सपने को मैंने अपना सपना बना लिया। 'उन्होंने आगे बताया, ''जब मैंने अपनी पहला बड़ा रेस पूरी की और पिता को फोन कर पूछा कि अब कैसा महसूस हो रहा है। इस पर मेरे पिता ने खुशी जताई और कहा कि उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है।''इस बातचीत के दौरान आलिया भट्ट ने गुरिंदरवीर सिंह को 'मोतीचूर लड्डू' का एक डिब्बा गिफ्ट किया। इस पर गुरिंदरवीर सिंह ने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह पूरा लड्डू का डिब्बा खा जाएंगे। इसके बाद उन्होंने आलिया को एक जर्सी गिफ्ट की।फिल्म 'अल्फा' की बात करें तो इसे शिव रवैल ने डायरेक्ट किया है और यह यशराज स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इस फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जबकि ऋतिक रोशन स्पेशल अपीयरेंस में दिखाई देंगे। यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को रिलीज होगी।

(साभार एजेंसी)

तिलक वर्मा का तूफान

56 गेंद पर कूटे 136 रन, 259 का लक्ष्य किया चेज

● अमन राव की 142 रन की पारी हुई बेकार

नई दिल्ली। तिलक वर्मा ने अपनी कप्तानी में 21 जून को इंडिया ए को वनडे ट्राई नेशन सीरीज का चैंपियन बनाया था। उसके तुरंत बाद वह तेलंगाना लीग में अपनी टीम मेडक फाल्कन्स के लिए खेलने हैदराबाद पहुंच गए। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक ने आयरलैंड दौरे से पहले अपनी टी20 की तैयारियों का प्रदर्शन किया और 56 गेंद पर 136 रन कूट दिए। इसी के साथ मेडक की टीम ने 259 रन का लक्ष्य चेज कर लिया।

इसी मुकाबले में वारंगल वॉरियर्स के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी अमन राव पेराला ने 48 गेंद पर 142 रन ठोके थे, जिसमें 32 गेंद पर ऐतिहासिक शतक भी आया था। उसके बाद तिलक के तूफान में अमन की यह पारी बेकार हो

गई। पहले खेलते हुए वारंगल की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 258 रन बनाए थे। जवाब में मेडक फाल्कन्स ने 19.4 ओवर में 7 विकेट खोकर 259 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

तिलक वर्मा के स्ट्राइक रेट पर उठ रहे थे सवाल

हाल ही में खत्म हुई वनडे ट्राई सीरीज में तिलक वर्मा इंडिया ए के टॉप स्कोरर थे, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट सवालों के घेरे में था। उससे पहले आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा था। अब तिलक ने आयरलैंड दौरे पर पहली बार उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालने से पहले ऐलान कर दिया है फॉर्म में वापसी का। तिलक वर्मा ने 43 गेंद पर इस पारी में शतक जड़ा। उन्होंने इसके बाद सेलिब्रेशन नहीं किया लेकिन अंत में जब टीम को उन्होंने 259 के लक्ष्य तक पहुंचाया तब वह खुशी से उछल पड़े। तिलक ने 56 गेंद में 136 रन की पारी खेली जिसमें 14 चौके 7 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 242.86 का रहा।

IPL 2027: नहीं बदलेगा CSK का कोच

लगातार 2 खराब सीजन के बाद भी फ्लेमिंग रहेंगे बरकरार

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 और 2026 में खराब प्रदर्शन के बाद भी चेन्नई सुपर किंग्स की कोचिंग सेटअप में बदलाव की संभावना नहीं है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफेन फ्लेमिंग मुख्य कोच बने रहेंगे। वह आईपीएल 2008 से ही चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। 2009 में वह कोच बने थे।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स को अभी भी स्टीफन फ्लेमिंग पर भरोसा है, जिनके कोच रहते टीम 5 बार खिताब जीती है। चेन्नई सुपर किंग्स का फैनबेस टीम को जूझते हुए देखकर बदलाव चाह रहा था। सोशल मीडिया पर फ्लेमिंग को हटाने को लेकर कैंपेन भी चले। इसके बाद भी फ्रैंचाइजी में बदलाव की उम्मीद नहीं है। फ्लेमिंग कम से कम अगले सीजन तक हेड कोच बने रहेंगे।

मेसी नंबर-1: एमबाप्पे से मिल रही कड़ी चुनौती

फीफा विश्वकप 2026

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 में लियोनल मेसी ने एक और ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसने उनके नाम को फुटबॉल इतिहास में और ऊंचा कर दिया। ऑस्ट्रिया के खिलाफ ग्रुप-जे मुकाबले में दो गोल दागकर अर्जेंटीना के कप्तान विश्वकप इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। 39वें जन्मदिन से ठीक पहले मेसी ने अपना कुल आंकड़ा 18 गोल तक पहुंचा दिया और मिरोस्लाव क्लोज का 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हालांकि, इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बीच फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे भी लगातार सुर्खियों में हैं। इराक के खिलाफ दो गोल करने के बाद उनके विश्वकप गोलों की संख्या 16 हो गई है। महज 16 मैचों में 16 गोल दाग चुके एमबाप्पे भविष्य में मेसी के रिकॉर्ड के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं।

ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने रचा इतिहास

मेसी ने मैच के शुरुआती दौर में एक पेनल्टी गंवा दी थी, लेकिन इससे उनका आत्मविश्वास नहीं डिगा। पहले हाफ के अंत में उन्होंने बाएं पैर से शानदार फिनिश करते हुए विश्वकप का अपना 17वां गोल किया और क्लोज को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद इंजरी टाइम में जूलियन अल्वारेज के शॉट पर रीबाउंड को गोल में बदलकर उन्होंने मैच में अपना दूसरा और विश्वकप करियर का 18वां गोल दागा। इस प्रदर्शन की बदौलत अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया और राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली।

क्लोज ने पहले ही कर दी थी भविष्यवाणी

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही मिरोस्लाव क्लोजे ने माना था कि मेसी उनका रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। क्लोज ने फीफा से कहा था, 'मेसी सिर्फ मेसी हैं। मैं हमेशा उनकी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता और मैदान पर उनके व्यवहार का प्रशंसक रहा हूं। उन्होंने हमेशा अपनी टीम को नई ऊर्जा दी है। उन्होंने फुटबॉल के लिए जो किया है, उसके लिए मैं उन्हें सलाम करता हूं।'

06

विश्वकप खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल

मेसी विश्वकप के छह संस्करण खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2006 में सर्बिया और मोंटेनेग्रो के खिलाफ अपना पहला विश्वकप गोल किया था। इसके बाद से वह पांच अलग-अलग विश्वकप संस्करणों में गोल करने का कारनामा कर चुके हैं। जब उनसे उनके पसंदीदा विश्वकप गोल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे अभी याद नहीं है। मैं थका हुआ हूं और बस इस पल का आनंद लेना चाहता हूं।'

फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, राउंड ऑफ-32 में एंट्री

न्यूयॉर्क, एजेंसी। किलियन एमबाप्पे के बारे में कहा जाता है कि उनमें महान फुटबॉलर बनने की क्षमता है। इस बात को एमबाप्पे ने बीती रात साबित किया। उनके दो गोलों के दम पर फ्रांस ने ग्रुप-आई के मैच में इराक को 3-0 से हरा दिया। इसी के साथ फ्रांस ने फीफा वर्ल्ड कप-2026 के अगले दौर में जगह पक्की कर ली है।

इस मैच से पहले अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को मात दी और इसमें मेसी ने दो गोल करते हुए वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उनके अब 18 गोल हो गए हैं। इस मामले में उन्हें एमबाप्पे चुनौती दे रहे हैं। इराक के खिलाफ दो गोल करते हुए एमबाप्पे ने विश्व कप में अपने गोलों को संख्या 16 तक पहुंचा दी है और वह अब मेसी की बराबरी करने से दो गोल ही पीछे हैं।

बारिश के कारण हुई देरी

इस मैच की बारिश ने खलल डाला। दूसरे हाफ की शुरुआत में दो घंटे 21 मिनट की देरी हुई। तूफान के साथ-साथ बारिश ने दर्शकों और खिलाड़ियों को काफी परेशान किया। जैसे ही मैच शुरू हुआ एमबाप्पे का जादू देखने को मिला। उन्होंने 14वें मिनट में ही गोल कर दिया। एमबाप्पे ने पेनाल्टी एरिया से गोल पोस्ट के बाएं कोने में गेंद को नेट में डाल अपना और टीम का खाता खोला।लेकिन इस गोल के बाद ये टीम संघर्ष करती रही और पहले हाफ में दूसरा गोल नहीं कर पाई। इराक ने अपने मजबूत डिफेंस से फ्रांस के प्रयासों को नाकाम किया। इराक ने गेंद को ज्यादा समय तक अपने पास ही रखा।

दूसरे हाफ में हावी फ्रांस

इराक की कोशिश थी कि वह वापसी करे, लेकिन उसकी एक गलती ने फ्रांस को बढ़त दिला दी। इराक के गोलकीपर अहमद बासिल 54वें मिनट में गेंद को अपने काबू में रख नहीं पाए और उनकी गलती का फायदा एमबाप्पे ने उठाते हुए उसे आसानी से नेट में डाल दिया। इराक की टीम यहां कमजोर पड़ गई थी। आखिरी 20 मिनट में उसके पास दो मौके आए और दोनों बार वह नाकाम रही। वहीं फ्रांस ने अपना तीसरा गोल 66वें मिनट में मार दिया था। ओसमाने डेमबेले ने ये गोल किया। एमबाप्पे के पास भी हैट्रिक लेने का मौका आया था जिसे वो भुना नहीं पाए।

मानव सुथार का इंग्लैंड में जलवा, काउंटी क्रिकेट में झटके 5 विकेट

नई दिल्ली। भारतीय युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। अफगानिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया के लिए यादगार टेस्ट डेब्यू करने के कुछ ही दिनों बाद सुथार ने इंग्लैंड की प्रतिष्ठित काउंटी चैंपियनशिप में भी अपनी छाप छोड़ दी। वारविकशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने समरसेट के खिलाफ पहली बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया।

वारविकशायर ने मानव सुथार को दो मैचों के लिए अपनी टीम में शामिल किया था। समरसेट के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने दूसरी पारी में 46.5 ओवर गेंदबाजी करते हुए 100 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। पहली पारी में भी उन्होंने 18 ओवर में 50 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए। इस तरह पूरे मैच में उन्होंने सात विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया।

मानव सुथार ने अपने दो मैचों के काउंटी करियर का शानदार अंत किया। उन्होंने दो मुकाबलों में कुल 11 विकेट हासिल किए। इससे पहले यॉर्कशायर के खिलाफ अपने काउंटी डेब्यू मैच में भी उन्होंने चार विकेट झटके थे। भारत के लिए टेस्ट डेब्यू और उसके बाद काउंटी में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उनकी गेंदबाजी की खूब चर्चा कराई है।

इंग्लिश ओपन में भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार का धमाका, विदेश में बनाया सीजन का बेस्ट रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने इंग्लैंड के वॉर्सेस्टर स्थित द वेल गोल्फ क्लब में खेले गए इंग्लिश ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस सीजन का विदेश में अपना सर्वश्रेष्ठ परिणाम दर्ज किया। होटलप्लानर टूर के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्होंने संयुक्त 12वें स्थान पर रहते हुए सप्ताह का समापन किया। वह टॉप-10 में जगह बनाने से महज एक शॉट से चूक गए।27 वर्षीय सप्तक ने अंतिम राउंड में चार अंडर 68 का शानदार कार्ड खेला और कुल 10 अंडर पार के स्कोर के साथ प्रतियोगिता समाप्त की।

भारत खिलाफ ब्रूक कप्तान, कार्स-ओवर्टन बाहर

● 3 खिलाड़ियों की वापसी, भारत से T20 सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम का ऐलान

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने सोमवार (22 जून) को भारत के खिलाफ 1 जुलाई से 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान क दिया। हैरी ब्रूक की अगुआई वाली टीम में 17 खिलाड़ियों को चुना गया है। जॉर्डन कॉक्स, सोनी बेकर और साकिब महमूद की टीम में वापसी हुई है। तीनों टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड की टीम का हिस्सा नहीं थे। ब्रायडन कार्स और जेमी ओवर्टन चोटिल होने के कारण नहीं चुने हए। ऑलराउंडर जेम्स कोल्स नए चेहरे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद इंग्लैंड की टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया था। टूर्नामेंट में हैरी ब्रूक की अगुआई वाली टीम सेमीफाइनल खेली। जैकब बेथल की शानदार पारी के बाद भी भारत से उसे हाई स्कोरिंग मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

जैकब बेथल-सैम करन का चयन

इंग्लैंड की टीम में जैकब बेथल और सैम करन को भी चुना गया है। बेथल चोट के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल 2026 पूरा नहीं खेल पाए थे। करन भी चोटिल होने के कारण राजस्थान रॉयल्स के लिए उपलब्ध नहीं थे। ओवर्टन को चेन्नई सुपर किंग्स के लिए ही खेलते हुए चोट लगी थी।

बटलर के लिए सीरीज अहम- भारत के खिलाफ सीरीज में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जोस बटलर पर निगाहें होंगी। टी20 वर्ल्ड कप में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। 2026 में उन्होंने इंग्लैंड के लिए 11 मैच खेले हैं और 11 पारियों में 15.27 के औसत और 124.44 के स्ट्राइक रेट से 168 रन बनाए हैं। बटलर को आईपीएल 2026 में अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला। गुजरात टाइटंस के लिए उन्होंने 17 पारियों में 37.57 के औसत और 152.46 के स्ट्राइक रेट से 526 पन बनाए। इसमें 4 शतक शामिल हैं।

जर्मनी को बड़ा झटका, स्टार डिफेंडर निको टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट चरण से पहले जर्मनी की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख डिफेंडर निको श्लोटरबेक गंभीर टखने की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें आइवरी कोस्ट के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान लगी थी।जर्मनी ने आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की, लेकिन इस जीत की खुशी श्लोटरबेक की चोट ने फीकी कर दी। मुकाबले के दौरान उनके बाएं टखने में चोट लगी, जिसके बाद मेडिकल टीम ने उनका उपचार किया। हालांकि, उन्होंने खेल जारी रखने की कोशिश की, लेकिन दर्द बढ़ने के कारण उन्हें हाफ टाइम में मैदान छोड़ना पड़ा।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एमआरआई स्कैन में श्लोटरबेक के बाएं टखने के मेडियल लिगामेंट को नुकसान पहुंचने की पुष्टि हुई है। इस तरह की चोट से उबरने में आमतौर पर करीब दो महीने का समय लगता है। ऐसे में उनका विश्व कप में वापसी करना संभव नहीं है।श्लोटरबेक ने टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन किया था और वह जोनाथन ताह के साथ जर्मनी की डिफेंस का अहम हिस्सा बन चुके थे।

जब ईयर फोन लगा मैदान पर उतरे क्रोनिए-डोनाल्ड

गांगुली ने पकड़ा, नहीं हुई कोई कार्रवाई

नई दिल्ली। क्रिकेट में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कोई नई बात नहीं है। रिप्ले से लेकर रिव्यू तक टेक्नोलॉजी की वजह से ही संभव हो पाया है। हालांकि, मैदान पर खिलाड़ियों के टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से परहेज ही किया जाता रहा है। इसका कारण है कि किसी टीम को अनुचित लाभ न मिले। इसका फायदा सट्टेबाज उठा सकते हैं और मैच फिक्सिंग तक हो सकती है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का फोन मैच शुरू होने से पहले जमा करा दिया जाता है। यही कारण है कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर के डगआउट में फोन का इस्तेमाल करने पर बवाल हो गया था। हालांकि, 1999 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के कप्तान दिवंगत हैंसी क्रोनिए और एलन डोनाल्ड ईयर फोन लगाकर भारत के खिलाफ मैच में मैदान पर उतर गए थे।

कोच दिवंगत वॉब वूल्मर उन्हें ड्रेसिंग रूम से निर्देश दे रहे थे। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने यह जान गए थे, जिसके बाद दोनों को ईयरफोन हटाना पड़ा, लेकिन उन्हें कोई सजा नहीं हुई।

क्रोनिए और डोनाल्ड ने इयरपीस लगाए हुए थे- मामला 15 मई 1999 का है जब साउथ अफ्रीका टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में भारत के खिलाफ मैदान पर उतरा तो क्रोनिए और डोनाल्ड ने इयरपीस लगाए हुए थे। पहले बैटिंग कर रही भारतीय टीम को इस पर ध्यान देने में कुछ समय लगा। टीवी पर कमेंटेटर्स ने शुरू में इसे देखा। जल्द ही सचिन तेंदुलकर के साथ ओपनिंग करने वाले सौरव गांगुली का इस पर ध्यान गया। उनहोंने इसके बारे में अंपायरों को बताया।

नीतीश आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर, सूर्यांश बने रिप्लेसमेंट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे से पहले बड़ा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशी) में चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स में सूजन और मांसपेशियों में चोट (फाइबर डिसरप्शन) पाई गई है, जिसके बाद उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करने को कहा गया है।

नीतीश को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान यह चोट लगी थी। शुरुआती आकलन में चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही थी, लेकिन एमआरआई रिपोर्ट आने के बाद स्थिति चिंताजनक पाई गई। माना जा रहा है कि उनकी रिकवरी में कम से कम चार सप्ताह का समय लगेगा, जबकि रिहैब में इससे ज्यादा समय भी लग सकता है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज भी मिस करना तय माना जा रहा है। चयनकर्ताओं ने युवा ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। मुंबई के इस खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और आईपीएल में भी अपनी उपयोगिता साबित की है।

अहम भूमिका निभाने वाले थे

नीतीश रेड्डी को इस दौरे पर खास जिम्मेदारी मिलने वाली थी। वह हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में टीम के प्रमुख तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की भूमिका निभाने वाले थे। हार्दिक भी क्वाड्रिसेप्स की समस्या से जूझ रहे हैं और फिलहाल वनडे क्रिकेट में लगातार 10 ओवर गेंदबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में नीतीश का बाहर होना टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संतुलन प्रदान करते हैं।23 वर्षीय नीतीश अब तक भारत के लिए 10 टेस्ट, छह वनडे और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्होंने दो मैच खेले थे, जबकि लखनऊ में खेले गए दूसरे वनडे से वह बाहर रहे थे।

बढ़ी हुई रफ्तार बनी वजह

क्रिकेट जगत में यह भी चर्चा है कि स्वतंत्र तेज गेंदबाजी कोच स्टीफन जोन्स के साथ काम करने के बाद नीतीश की बॉलिंग स्पीड में काफी इजाफा हुआ। उनकी रफ्तार 120 किमी प्रति घंटे के उत्तरार्ध से बढ़कर 130 किमी प्रति घंटे के मध्य तक पहुंच गई। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि शरीर इस अचानक बढ़ी हुई गति की मांग के अनुरूप खुद को पूरी तरह ढाल नहीं पाया, जिससे चोट का जोखिम बढ़ गया। भारतीय टीम पहले आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मुकाबले खेलेगी, जिसके बाद इंग्लैंड दौरे पर पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। लेकिन मौजूदा मेडिकल स्थिति को देखते हुए नीतीश का इंग्लैंड दौरे में भी खेलना लगभग नामुमकिन माना जा रहा है।

ईरानी राष्ट्रपति क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर वार्ता के लिए पाकिस्तान पहुंचे

» इस्लामाबाद, भाषा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर इस्लामाबाद पहुंचे। इस दौरे में वह पाकिस्तान के शीर्ष नेताओं के साथ आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के साथ ईरान-अमेरिका समझौते की सभी शर्तों को पूरी तरह लागू करने पर वार्ता करेंगे। सरकारी टीवी चैनल पीटीवी के अनुसार, ईरानी नेता नूर खान एयरबेस पर उतरे, जहां राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके अलावा, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची मस्कट से यहां पहुंचे। वे होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन पर ओमान के नेताओं के साथ उच्च-स्तरीय बातचीत करने के लिए संसद के अध्यक्ष और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाकिर गालिबाफ के साथ मस्कट गए थे। विदेश कार्यालय ने पहले कहा था कि राष्ट्रपति पेजेश्कियान, प्रधानमंत्री शरीफ के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा कर रहे हैं।

उनसे मुलाकात करेंगे। ईरान के राष्ट्रपति के तौर पर पाकिस्तान की यह उनकी दूसरी यात्रा है। अपने देश से रवाना होने से पहले ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी यात्रा का मकसद अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत हुए समझौते को पूरी तरह से लागू किया जाना सुनिश्चित करना है। सरकारी प्रेस टीवी की खबर के अनुसार, उन्होंने कहा कि इस समझौते से पश्चिम एशिया में स्थिरता और सुरक्षा को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पेजेश्कियान ने एक्स पर एक पोस्ट में चेतावनी दी कि बातचीत की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि सहमती प्राप्त दायित्वों के प्रति पूरी प्रतिबद्धता हो और उन्हें ठीक-ठीक लागू किया जाए। उन्होंने कहा, इस राह में प्रगति को स्वीकार की गई जिम्मेदारियों के व्यावहारिक पालन से मापा जाएगा। समझौते के मसौदे से हटकर दिए गए बयान बातचीत को आगे बढ़ाने में मदद नहीं करते हैं। उनका यह दौरा स्विट्जरलैंड में ईरान और अमेरिका के बीच हुई बातचीत के बाद हो रहा है, जिसमें दोनों पक्ष 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौता करने के लिए एक प्रारूप पर सहमत हुए थे।

बमबारी से प्रभावित परमाणु स्थलों के निरीक्षण के लिए आईएईए का कोई कार्यक्रम तय नहीं : ईरान

दुबई। ईरान ने मंगलवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के निरीक्षकों द्वारा उन परमाणु स्थलों का दौरा करने का कोई कार्यक्रम तय नहीं है, जिन्हें अमेरिका ने बमबारी का निशाना बनाया था। तेहरान में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने यह बात कही। बघाई का यह बयान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के उस दावे के उलट है, जिसमें उन्होंने कहा था कि स्विट्जरलैंड में हुई वार्ताओं के बाद आईएईए को ईरानी परमाणु स्थलों का दौरा करने की अनुमति देने पर सहमति बन गई है। पिछले साल ईरान के खिलाफ इजराइल के 12 दिन तक चले युद्ध के बाद से ही आईएईए की टीम ईरान का दौरा करती रही है, लेकिन उस युद्ध में अमेरिका द्वारा निशाना बनाए गए यूरेनियम भंडारण स्थलों का निरीक्षण करने की अनुमति एजेंसी को अब तक नहीं मिली है।

अमेरिका-ईरान करार के दीर्घकालिक समझौते का रूप लेने की उम्मीद : शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ करार (एमओयू) बाद में दीर्घकालिक समझौते का रूप ले लेगा। अमेरिका और ईरान ने पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने और क्षेत्रीय सुरक्षा व अन्य विवादित मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। शरीफ संसद को संबोधित कर रहे थे, जिसने चर्चा के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के विरोध के बावजूद 2026-27 का बजट पारित कर दिया। शरीफ ने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि अगले 60 दिन में यह एमओयू एक लंबे समय तक प्रभाव में रहने वाले समझौते में बदल जाएगा, जिससे दुनिया में शांति आएगी। इस्लामाबाद एमओयू के तहत स्विस रिज़ॉर्ट ऑफ बर्गनस्टॉक में हुई हालिया उच्च-स्तरीय बातचीत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि गहन बातचीत रविवार को शुरू हुई और सोमवार को आधी रात के बाद तक चली, जिसमें अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडलों ने पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में जटिल मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अगले 60 दिन में अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत होगी, जिसमें ईरान की परमाणु संपत्तियों, बैलिस्टिक मिसाइलों और फ्रीज की गई संपत्तियों पर चर्चा की जाएगी।

ब्रेक्जिट के दस साल बाद भी राजनीतिक उथल पुथल जारी, सातवें प्रधानमंत्री की तैयारी में ब्रिटेन

» लंदन, भाषा।

आज से ठीक 10 वर्ष पहले जनमत संग्रह से ब्रिटेन के यूरोपीय संघ (ईयू) से अलग होने का मार्ग प्रशस्त हुआ था। ब्रेक्जिट के उस ऐतिहासिक फैसले के प्रभाव आज भी दिखाई दे रहे हैं और देश एक दशक में अपने सातवें प्रधानमंत्री के लिए तैयारी कर रहा है। केअर स्टॉर्मर ने अपनी लेबर पार्टी के सांसदों का विश्वास खोने के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और फिलहाल कार्यवाहक प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए तीन सप्ताह की समय-सीमा निर्धारित की है। हालांकि, मंगलवार तक की स्थिति के अनुसार, मेकरफील्ड से नव-निर्वाचित सांसद एंडी बर्नहैम के निर्विरोध चुने जाने की संभावना मजबूत दिख रही है, क्योंकि उनकी उम्मीदवारी के समर्थन में पार्टी सदस्यों की बड़ी संख्या खड़ी है।

ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व महापौर एंडी बर्नहैम ने कहा, स्टॉर्मर ने हमारे देश की बहुत बड़ी सेवा की है और मैं इस चुनौतीपूर्ण दौर में उनके नेतृत्व और समर्पण के लिए उनका धन्यवाद करना चाहता हूं। बर्नहैम ने कहा, उनका यह फैसला एक बदलाव की शुरुआत का संकेत है और यह महत्वपूर्ण है कि यह प्रक्रिया व्यवस्थित तथा जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से पूरी की जाए। मैं इस प्रक्रिया के तहत अपनी दावेदारी पेश करूंगा। सोमवार को प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट में स्टॉर्मर के भावुक संबोधन के तुरंत बाद बर्नहैम ने हाउस ऑफ कॉमन्स में सांसद के रूप में औपचारिक रूप से शपथ ली। बर्नहैम इससे पहले पार्टी नेतृत्व के लिए दो बार चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन दोनों बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इस बार परिस्थितियां उनके पक्ष में दिखाई दे रही हैं। प्रधानमंत्री पद की दौड़ के एक अन्य प्रमुख संभावित दावेदार और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने भी बर्नहैम को अपना समर्थन दे दिया है। स्ट्रीटिंग ने कहा, मैं भी हमारे देश में बदलाव लाने के लिए अपने विचार सामने रखता रहा हूं। हाल के दिनों में बर्नहैम के साथ लंबी बातचीत के बाद मुझे विश्वास हो गया है कि उनके नेतृत्व में उन विचारों को आगे बढ़ाने की पूरी गुंजाइश है। स्टॉर्मर द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार, लेबर पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) नौ जुलाई से 17 जुलाई के बीच पार्टी नेतृत्व के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू करेगी। इसके बाद नए पार्टी प्रमुख का चुनाव किया जाएगा, जो सितंबर तक 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालेगा।

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से अलग होने वाला तीसरा देश बना नाइजर

द हेग। नाइजर औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) से अलग हो गया है। उसने द हेग स्थित इस न्यायिक संस्था पर न्याय में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। इस पश्चिम अफ्रीकी देश ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र को एक पत्र सौंपा, जिससे न्यायालय की स्थापना संधि रोम संविधि से हटने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पत्र में कहा गया है, यद्यपि इस न्यायालय ने शांति और न्याय के पक्षधरों के मन में बड़ी उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन इसका दुरुपयोग और शोषण किया गया है। नाइजर, माली और बुर्किना फासो ने पिछले साल घोषणा की थी कि वे न्यायालय छोड़ देंगे। नाइजर में 2023 में तख्तापलट के जरिए लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को बेदखल कर दिया गया था, जिसके बाद से वहां के सैन्य शासन (जुंटा) ने अपने पुराने सहयोगियों का साथ छोड़ दिया है और इसके बजाय रूस सहित नए गठबंधन बनाए हैं। यूक्रेन युद्ध को लेकर आईसीसी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर रखा है। माली और बुर्किना फासो में भी इसी तरह के राजनीतिक बदलाव देखे गए हैं। आईसीसी ने इस फैसले पर निराशा व्यक्त की है। न्यायालय ने एक बयान में कहा, हम सबसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों में सजा से बचने की प्रवृत्ति को समाप्त करने के सामूहिक प्रयास से अलग होने के किसी भी फैसले पर खेद व्यक्त करते हैं। फिलीपींस और बुरुंडी के बाद आईसीसी छोड़ने वाला नाइजर तीसरा देश बन जाएगा। उसका यह फैसला पत्र मिलने के 12 महीने बाद प्रभावी होगा।

अमेरिका से मक्का, सोयाबीन गेहूं खरीदेगा ईरान : ट्रंप

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ शांति बातचीत को अमेरिकी किसानों के लिए लाभदायक बताया और कहा कि ईरान के रोके गए पैसे को मुक्त करने की शर्त यह होगी कि वह अमेरिका में उगाए गए मक्का, सोयाबीन और गेहूं खरीदे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ईरान को इन चीज़ों की बहुत ज़रूरत है... यह एक मानवीय संकट है और मुझे लगता है कि मदद करना ज़रूरी है। हालांकि इस बात की संभावना कम है कि ईरान अमेरिका से बड़ी मात्रा में कृषि उत्पाद खरीदना शुरू करेगा। इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के रिसर्च फेलो एमेरिटस, जोसेफ ग्लॉबर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि कम समय में व्यापार बहुत बड़ा हो जाएगा। ग्लॉबर ने कहा कि इस बात की संभावना कम है कि ईरान भोजन के मामले में अपने दूसरे व्यापारिक साझेदारों को छोड़ दे और अमेरिका से खरीदारी करे।

न्यूज ब्रीफ

उत्तरी कैलिफोर्निया के पुस्तकालय में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत, संदिग्ध हिरासत में

» चिको, भाषा।

अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया के एक पुस्तकालय में हुई गोलीबारी की घटना में दो लोगों की मौत हो गई और एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। शहर के पुलिस प्रमुख बिली एल्ड्रिज ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सोमवार शाम पांच बजे के बाद पुलिस को ब्यूट काउंटी लाइब्रेरी की चिको शाखा के अंदर गोलियां चलने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि जब पुलिस अधिकारी पुस्तकालय के अंदर पहुंचे, तो संदिग्ध पीछे के रास्ते से भाग निकला। एल्ड्रिज के अनुसार, पुस्तकालय के पीछे मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध को हिरासत में ले लिया।

उन्होंने बताया, आज शाम हुई घटना जाहिर तौर पर बेहद दुखद और कई लोगों के लिए बहुत सदमे वाली थी। हमारे समुदाय के लिए यह बहुत ही दुखद घटना है। पुस्तकालय के आस-पास की सड़कों को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया और इमारत के अंदर मौजूद लोगों को अपने परिवार के सदस्यों से मिलाने के लिए एक केंद्र बनाया गया। एक बच्चे को भी मामूली चोट के कारण अस्पताल ले जाया गया। एल्ड्रिज ने बताया कि जनता को कोई गंभीर खतरा नहीं है और पुलिस इस गोलीबारी की जांच कर रही है। पुलिस ने संदिग्ध की पहचान उजागर नहीं की और न ही इस बारे में कोई जानकारी दी कि गोलीबारी की वजह क्या थी। पुलिस ने बताया कि हमलावर ने अकेले ही इस घटना को अंजाम दिया।

फ्रांस में भीषण गर्मी का प्रकोप, रेड अलर्ट जारी

» पेरिस, भाषा।

फ्रांस में भीषण गर्मी का दौर जारी रहने के बीच मंगलवार को रेड अलर्ट जारी किया गया। तापमान में लगातार बढ़ोतरी के साथ राष्ट्रीय मौसम सेवा मेटियो फ्रांस ने देश के लगभग आधे हिस्से के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने एक आपात बैठक के बाद कहा कि पिछले बृहस्पतिवार से डूबने की घटनाओं में जान गंवाने वाले 40 लोगों में अधिकतर युवा थे। मेटियो फ्रांस ने आगामी दिनों में भी तापमान में बढ़ोतरी जारी रहने और भीषण गर्मी का अनुमान जताया है।

राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा, भीषण गर्मी की यह स्थिति कम से कम सप्ताह के अंत तक बनी रहने की आशंका है, और कई शहरों में दिन के समय तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना रहेगा। तापमान के और भी नए स्कॉर्ड बनने की आशंका है, जिनमें से कुछ तो पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। इस बार की गर्मी की तुलना अगस्त 2003 की भीषण गर्मी से की जा रही है, जब आधी सदी से अधिक समय में दर्ज किए गए सबसे अधिक तापमान के कारण अनुमानित तौर पर 15,000 लोगों की मौत हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के यूरोप कार्यालय ने इस महीने कहा था कि पिछले चार वर्षों में पूरे यूरोप में गर्मी से जुड़ी घटनाओं से 200,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई, और इनमें से ज्यादातर मौतें रोकी जा सकती थीं।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार मर्दान गुरुद्वारे में मारे गए सिख दंपति के परिवार को देगी मुआवजा

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान की खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने सूबे के मर्दान गुरुद्वारे को चार करोड़ पाकिस्तानी रुपए का अनुदान और पिछले सप्ताह इसमें मारे गए सिख दंपति के परिवार को प्रति मृतक 10 लाख पाकिस्तानी रुपए की दर से मुआवजा देने की मंगलवार को घोषणा की। खैबर पख्तूनख्वा के धार्मिक और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री साहिबजादा अदनान कादरी ने सोमवार को मर्दान जिले के गुरुद्वारे का दौरा किया और हत्याओं की निंदा करते हुए सिख समुदाय के साथ एकजुटता प्रकट की।

कादरी ने इस अवसर पर गुरुद्वारे के लिए चार करोड़ पाकिस्तानी रुपए और मारे गए दंपति के परिवार को प्रति मृतक 10 लाख पाकिस्तानी रुपए की दर से आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सूबे की सरकार शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है और इस घटना पर उनके दुख में शामिल है। पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित मर्दान के बाबू मोहल्ले में स्थित गुरुद्वारे में जगन्नाथ और उनकी पत्नी आसमा खंती देखभाल का काम करते थे। दंपति की 17 जून को गुरुद्वारे के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाद में शेर शाह नाम के संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया था। मर्दान के इस गुरुद्वारे को डेरा होती वाला बाबा करम सिंह के नाम से जाना जाता है और मौजूदा ढांचा करीब 150 साल पुराना है।

भारत और चीन के लिए एक-दूसरे के मूल हितों का सम्मान करना जरूरी : वांग

» बीजिंग, भाषा।

चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने कहा है कि भारत और चीन के लिए एक-दूसरे के मूल हितों का सम्मान करना और दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति पर क्रियान्वयन के लिए ठोस कदम उठाना अनिवार्य है। वांग ई, ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली में हैं। उन्होंने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सोमवार को बैठक के दौरान यह बात कही। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और रिश्तों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया में हुई प्रगति पर चर्चा की। वांग और डोभाल दोनों भारत-चीन सीमा विवाद पर अपने-अपने देशों के विशेष प्रतिनिधि भी हैं। वांग ने कहा कि भारत, चीन का एक महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है और दोनों देशों के संबंध अब सुधार के रास्ते पर लौट आए हैं।

वांग चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य और विदेश मामलों के केंद्रीय आयोग के कार्यालय के निदेशक भी हैं। डोभाल-वांग बैठक के बारे में सोमवार रात यहां जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वांग ने कहा कि दोनों देशों के नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई है कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि साझेदार हैं। यह दोनों देशों के बीच सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक सहमति है, जो द्विपक्षीय संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों के रूप में भारत और चीन को न केवल दीर्घकालिक दृष्टिकोण से अपने संबंधों को देखना चाहिए बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी सहयोग बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, एक-दूसरे के मूल हितों का सम्मान करना, संवेदनशील मुद्दों को उचित ढंग से संभालना और भारत-चीन सीमा विवाद को उसकी उचित सीमा में रखना अनिवार्य है ताकि वह द्विपक्षीय संबंधों की समग्र स्थिति को प्रभावित न करे। शिन्हुआ ने आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से अपनी खबर में कहा कि वांग ई ने व्यापार, वित्त, कानून-प्रवर्तन और मीडिया जैसे क्षेत्रों में संवाद तंत्र को बहाल करने और विभिन्न स्तरों पर आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

मॉन्ट्रियल में होटल पर गोलीबारी में पुलिस अधिकारी की मौत, हमलावर ढेर

मॉन्ट्रियल। कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर में सोमवार को हिल्टन होटल में एक हथियारबंद हमलावर ने गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में हमलावर भी मारा गया। पुलिस के अनुसार, इस घटना में एक आम नागरिक की भी मौत हो गई, हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि उसे गोली किसने मारी। पुलिस प्रमुख फैबी दाघेर ने बताया कि शहर के कोटे-दे-नेज इलाके में हुई इस गोलीबारी में एक अन्य पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन उसकी स्थिति स्थिर है। उन्होंने पुष्टि की कि हमलावर को पुलिस ने मौके पर ही मार गिराया। पुलिस प्रमुख ने कहा कि पिछले 24 वर्षों में यह पहली बार है जब मॉन्ट्रियल के किसी पुलिस अधिकारी की ड्यूटी के दौरान मौत हुई है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, यह एक बहुत दुखद दिन है। यह एक बुरे सपने जैसा है। दाघेर ने बताया कि स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न लगभग साढ़े ग्यारह बजे किसी ने आपातकालीन सेवाओं को सूचना दी कि हिल्टन होटल की एक खिड़की से एक व्यक्ति बंदूक बाहर निकालकर लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन पर गोलीबारी की गई। वीडियो में यह भी दिखा कि हमलावर होटल के बाहर भी मौजूद था। पुलिस अब भी हमलावर के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही है। दाघेर ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि नागरिक को गोली किसने मारी। सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हुए एक वीडियो में पुलिस और एक लंबे हथियार से लैस व्यक्ति के बीच गोलीबारी होती दिखाई दे रही है, जिसने ऑलिव रंग की जैकेट और कार्गो पैंट पहन रखी थी। गोलीबारी स्थल के पास निर्माण कार्य कर रहे जैकब कौटू ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह चार या पांच गोलियों की आवाज सुनीं। उन्होंने कहा कि कुछ मिनट बाद बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचने लगे और इसके बाद उन्हें फिर से गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं। सार्वजनिक सुरक्षा अधिकारियों ने इलाके में एक हथियारबंद और खतरनाक संदिग्ध की मौजूदगी को लेकर आपातकालीन अलर्ट जारी किया और निवासियों से अपने घरों में ही रहने की अपील की। इस अलर्ट के कारण एक प्रमुख राजमार्ग, डेकारी एक्सप्रेसवे पर अस्थाई रूप से यातायात बंद करना पड़ा, साथ ही मेट्रो की दो लाइनों के महत्वपूर्ण हिस्सों को भी कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। दाघेर ने पुष्टि की कि अधिकारियों द्वारा अलर्ट जारी किए जाने से पहले ही संदिग्ध को मार गिराया गया था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने मंगोलिया में भारत की मदद से बन रही रिफाइनरी के निर्माण स्थल का दौरा किया

उलानबतार। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को मंगोलिया में भारत की मदद से बन रही 1.7 अरब डॉलर की रिफाइनरी परियोजना के निर्माण स्थल का दौरा किया और इस अहम मैत्री पहल के तहत जारी काम की समीक्षा की। जयशंकर दो देशों की यात्रा के पहले चरण में मंगोलिया में हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, जयशंकर ने कहा कि उन्होंने अपनी मंगोलियाई समकक्ष बैटसेटसेग बटमुंख और उद्योग एवं खनन मंत्री गोंगोर डमदिनन्याम के साथ मंगोल रिफाइनरी परियोजना के निर्माण स्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा, भारत-मंगोलिया मैत्री की यह अहम परियोजना लगातार आगे बढ़ रही है। इसमें शामिल अलग-अलग टीमों के साथ जारी कामों की स्थिति की समीक्षा की गई। जयशंकर ने परियोजना स्थल पर भारतीय और मंगोलियाई कर्मचारियों से भी बातचीत की और मुश्किल हालात में इतनी बड़ी परियोजना को पूरा करने में उनके समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मंगोल ऑयल रिफाइनरी प्रोजेक्ट को भारत सरकार द्वारा दी गई 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा की मदद से लागू किया जा रहा है और यह मंगोलिया की टिकाऊ ऊर्जा रणनीति का एक अहम हिस्सा और प्रमुख पहल है। मंगोलिया से, जयशंकर अपनी यात्रा के आखिरी चरण के लिए बुधवार को कोरिया गणराज्य जाएंगे।

अवामी लीग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, हम लोगों के समर्थन और 10 गुना ज़्यादा ताकत के साथ वापसी कर रहे

बांग्लादेश : प्रतिबंध के बावजूद अवामी लीग के स्थापना दिवस पर जुटे कार्यकर्ता में दर्जनों गिरफ्तार

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के दर्जनों कार्यकर्ताओं को सोमवार रात गिरफ्तार किया गया। ये कार्यकर्ता देशव्यापी सुरक्षा प्रतिबंध के बावजूद पार्टी का 77वां स्थापना दिवस मनाने के लिए जगह-जगह सड़कों पर मार्च कर रहे थे। अधिकारियों ने मंगलवार यह जानकारी दी। तेईस जून 1949 को स्थापित अवामी लीग देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है। उस समय आज का बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान हुआ करता था। इसी पार्टी ने 1971 में देश के मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था। जुलाई विद्रोह के नाम से मशहूर छात्रों के हिंसक विरोध-प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिर गई थी। इसके बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अवामी लीग पार्टी को भंग कर दिया था।

बाद में, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार के तहत संसद ने भी इस फैसले को मंजूरी दे दी। अवामी लीग ने अपने सोशल मीडिया मंच के जरिए समर्थकों से अपील की कि वे इस स्थापना दिवस के मौके पर डिजिटल मंच के जरिए चर्चा करें, पार्टी के झंडे फहराएं, जुलूस निकालें और पोस्टर अभियान चलाएं। पुलिस मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सिर्फ़ ढाका में ही इस प्रतिबंधित पार्टी के 26 कार्यकर्ताओं को गिरफ़्तार किया गया, जबकि देश के अन्य हिस्सों में जुलूस निकालने या कड़ी सुरक्षा के बीच प्रतिबंध के उल्लंघन की कोशिश करने पर कई अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया। ढाका महानगर पुलिस (डीएमपी) आयुक्त मोसलेह उद्दीन अहमद ने एक प्रेस वार्ता में कहा, हमने अब तक उनकी योजना को नाकाम कर दिया है, और मुझे उम्मीद है कि बचे हुए समय में वे कोई जुलूस नहीं निकाल पाएंगे, रैली नहीं कर पाएंगे या कहीं भी इकट्ठा नहीं हो पाएंगे। बाद में डीएमपी ने एक बयान में कहा कि गिरफ़्तार किए गए लोगों के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई चल रही है और राजधानी में सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान जारी रहेंगे। प्रतिबंधों के बावजूद, अवामी लीग के सोशल मीडिया मंच पर वीडियो क्लिप अपलोड किए गए, जिनमें पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सड़कों पर मार्च करते, पार्टी के झंडे और बैनर लिए हुए और नारे लगाते हुए दिखाया गया। स्थापना दिवस से ठीक पहले, शेख हसीना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, हम हारने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। वर्ष 2024 में सत्ता से हटाए जाने के बाद से हसीना भारत में रह रही हैं। छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन को दबाने की कोशिशों से जुड़े आरोपों के कारण बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उन्हें (हसीना को) उनकी गैर-मौजूदगी में मौत की सजा सुनाई थी। अवामी लीग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, हम लोगों के समर्थन और 10 गुना ज्यादा ताकत के साथ वापसी कर रहे हैं। बांग्लादेश के मुख्यधारा की मीडिया और ऑनलाइन न्यूज़ प्लेटफ़ॉर्म पर हसीना के बयानों या अवामी लीग की गतिविधियों को छापने या प्रसारित करने पर रोक है। हालांकि, क्षेत्रीय मीडिया संस्थानों में छपी टिप्पणियों में हसीना ने दूसरे दलों की सरकारों पर न्यायपालिका का राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने, भीड़ आतंक को बढ़ावा देने और चुनाव के माहौल को हास्यापद बनाने का आरोप लगाया है। ऐसी खबर है कि बारिशाल जिले में अवामी लीग के कार्यकर्ताओं ने बिना इजाज़त अचानक जुलूस निकाले, जिसके बाद अधिकारियों को दंगा-रोधी साज़ो-सामान से लैस अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा। मीडिया की खबरों के मुताबिक, गोपालगंज में भी सेना तैनात की गई है। यह इलाका अवामी लीग का पारंपरिक गढ़ रहा है और यहीं 2024 में जुलाई विद्रोह के नेताओं द्वारा आयोजित एक मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई में पांच प्रदर्शनकारी मारे गए थे। इन नेताओं ने बाद में युवाओं के नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन् पार्टी (एनसीपी) बनाई थी। गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने सोमवार को कहा कि अवामी लीग अब एक (राजनीतिक) संगठन के तौर पर मौजूद नहीं है। पार्टी के स्थापना दिवस के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने पत्रकारों से कहा, अवामी लीग नाम का कोई संगठन नहीं है। उसी दिन, सरकार ने नागरिक प्रशासन की मदद के लिए सेना और अर्द्धसैनिक बल बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों को तैनात किया। यह कदम स्थापना दिवस के जश्न और अवामी लीग के दो कार्यकर्ताओं की मौत की खबरों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए उठाया गया। गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि 30 जून तक ढाका और पांच अन्य जिलों में सेना और बीजीबी के जवानों को तैनात किया गया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com